



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I)  
PART II—Section 3—Sub-section (I)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 116]  
No. 116]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मार्च 13, 1987/फाल्गुन 22, 1908  
NEW DELHI, FRIDAY, MARCH 13, 1987/PHALGUNA 22, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as  
a separate compilation

कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय

(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)

नई दिल्ली, 13 मार्च, 1987

अधिसूचनाएं

सा.का.नि. 284(अ) —केन्द्रीय सरकार, अधिल भारतीय सेवा अधिनियम, 1951 (1951 का 61) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए संबंधित राज्यों की सरकारों से परामर्श करने के पश्चात् भारतीय प्रशासनिक सेवा (वेतन) नियम, 1954 में और संशोधन करने के लिये निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम भारतीय प्रशासनिक सेवा (वेतन) सूचका संशोधन नियम, 1987 है।

(2) ये 1 जनवरी, 1986 को प्रवृत्त हुए समझे जायेंगे।

2. भारतीय प्रशासनिक सेवा (वेतन) नियम, 1954 में जिन्हें इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है —

(1) नियम 3 के उपनियम (1) के स्थान पर निम्नलिखित रखा जायेगा, अर्थात्:—

सेवा के सदस्य को अनुमेय काल बेतनमान और वे तारीखें, जिनको उक्त काल बेतनमान प्रवृत्त हुए समझे जायेंगे, निम्नलिखित होंगे।

कनिष्ठ बेतनमान . 2200-75-2800-रु. - 1 जनवरी, 1986 से 100-4000 रुपये

उपेष्ट बेतनमान

(1) काल बेतनमान : 3200-(5वां और छठा वर्ष) 1 जनवरी, 1986 से 100-3700-125-4700 रु.

(2) कनिष्ठ प्रशासनिक बेतनमान : 3950-125-4700-150-5000 रु. (प्रकार्य) 1 जनवरी, 1986 से

किन्तु शर्त यह है कि उपेष्ट बेतनमान में सेवा के सदस्य की नियुक्ति 4 वर्ष की सेवा पूरी कर लेने के बाद भारतीय प्रशासनिक सेवा (भर्ती नियमावली, 1954 के नियम 89 के उपनियम 2 के उपबन्धों के अध्याधीन और कनिष्ठ प्रशासनिक श्रेणी में 9 वर्षों की सेवा पूरी होने के बाद होगी।

टिप्पण इस नियम में 4 वर्ष और 9 वर्ष की सेवा की संगणना भारतीय प्रशासनिक सेवा (ज्येष्ठता विनियमन) नियम, 1954 के विनियम 3 के अधीन उसे समनुवैशित आर्बटन बर्ष से की जायेगी।

चयन श्रेणी 4800-150-5700 रुपये 1 जनवरी, 1986 से  
अधिकतम 6900-200-8700 1 जनवरी, 1986 से

वेतनमान

अधिकतम वेतनमान से अधिक वेतनमान

(1) 7300-100-7600 1 जनवरी, 1986 से  
(2) 8000 (नियत)

परन्तु यह कि सेवा का सदस्य उस तारीख तक विद्यमान वेतन में वेतन सेवा बनाये रखने के लिये निर्वाचन कर सकेगा जिसको वह विद्यमान वेतनमान में भगसी या कोई पश्चात्पूर्वी वेतनवृद्धि उपार्जित करता है या अब तक कि वह पद रिक्त करता है या उस वेतनमान में वेतन सेवा हुआ नहीं रहता है।

विकल्प का प्रयोग ऐसे प्रावधों के अनुसार, जो केन्द्रीय सरकार इस निमित्त नियमों के अधीन जारी कर सकेगा किया जायेगा।

स्पष्टीकरण 1 इस नियम के परन्तुक के अधीन विद्यमान वेतन प्रतिधारित करने का विकल्प केवल एक विद्यमान वेतनमान की बाधत अनुज्ञेय होगा।

स्पष्टीकरण 2 उपर्युक्त विकल्प 1 जनवरी, 1986 को या तत्पश्चात् सेवा में नियुक्त किसी व्यक्ति को अनुज्ञेय नहीं होगा और उसे वेतन केवल पुनरीक्षित वेतनमान में दिया जायेगा।

स्पष्टीकरण 3 जहाँ सेवा का सदस्य नियमित आधार पर स्थानाग्न हैसियत में अपने द्वारा धारित किसी पद की बाबत उस वेतनमान में वेतन के विनियमन के प्रयोजन के लिये इस नियम के परन्तुक के अधीन विद्यमान वेतनमान का प्रतिधारित करने के विकल्प का प्रयोग करता है, वहाँ उसका अधिष्ठाई वेतनमान वह होगा जो वह तब सेवा जब अपने उस स्थायी पद पर विद्यमान वेतनमान प्रतिधारित किया होगा जिस पर वह धारणाधिकार धारित करता है या धारणाधिकार धारित करता, या उसका धारणाधिकार नियमित न किया गया होना या उस स्थानाग्न पद का वेतन, जिसने तत्समय प्रवृत्त किसी प्रावध के अनुसार अधिष्ठाई वेतन की हैसियत अर्जित करती है, जो भी अधिक हो।

(ख) नियम 3 के उपनियम 2 के स्थान पर निम्नलिखित रखा जायेगा, अर्थात् —

(2)(1) सेवा का सदस्य चयन श्रेणी में वेतन देने का हक्कार उस श्रेणी में नियुक्ति पर ही होगा।

(2) चयन श्रेणी में नियुक्ति होने पर कनिष्ठ प्रशासनिक श्रेष्ठ में उसके वेतन के बराबर हो प्रथम यदि ऐसा कोई स्तर नहीं है तो उसके वेतन में भावी वृद्धि में समाहित किये जाने वाले अन्तर की राशि के बराबर बेयक्तिक वेतन सहित उस वेतन के नीचे के स्तर पर प्रथम (ख) चयन श्रेणी के न्यूनतम वेतन पर इन में से जो भी अधिक हो, निर्धारित किया जायेगा।

(3) चयन श्रेणी में प्रगती वेतनवृद्धि उस श्रेणी में अग्रिम श्रेष्ठता सेवा करने के पश्चात् प्रोद्भूत होगा।

परन्तु यह कि चिकित्सीय प्रमाणपत्र पर से शय्यावा सी गई प्रसाधारण छुट्टी के सिवाय पूरी छुट्टी की चयन श्रेणी में वेतनवृद्धि के लिये गणना की जायेगी।

परन्तु यह और कि केन्द्रीय सरकार किसी भी मामले में जिसमें समझा यह समाधान हो जाता है कि प्रसाधारण छुट्टी सेवा के सदस्य के नियमन के पर किसी कारण के लिये या उच्च वैज्ञानिक या तकनीकी अध्ययन के लिये ली गई थी यह निर्देश दे सकेगी कि ऐसी प्रसाधारण छुट्टी की गणना हम उपनियम के अधीन वेतनवृद्धि के लिये की जायेगी।

ग(3) नियम 3 के उपनियम 3 के स्थान पर निम्नलिखित रखा जायेगा, अर्थात् —

(3) सेवा के ऐसे सदस्य का धारित वेतन, जो इन नियमों के अनुसार 1 जनवरी, 1986 में ही या पश्चात्पूर्वी तारीख से पुनरीक्षित वेतनमान द्वारा शामिल होने का निर्वाचन करता है या यह समझा जाये कि उसने ऐसा निर्वाचन किया है, अधिष्ठाई या स्थानाग्न हैसियत में लिये गये उसके वेतन की बाबत पृथक रूप से उस तारीख से निम्नलिखित रीति से, पुन नियत किया जायेगा —

(1) 75 व के न्यूनतम के अध्याधीन रहते हुए विद्यमान वेतनमान में मूल वेतन का 20 प्रतिशत व्ययदिष्ट करने वाली रकम 'सेवा के सदस्य की विद्यमान उपलब्धियों' में जोड़ी जायेगी।

(2) विद्यमान उपलब्धियाँ इस प्रकार बर्दाई जाने के पश्चात्, वेतन इस प्रकार संगणित रकम से अग्रिम ऊपर के प्रक्रम पर, नियत किया जायेगा।

परन्तु यह कि यदि इस प्रकार संगणित रकम पुनरीक्षित वेतनमान के न्यूनतम से कम है, तो वेतन उस वेतनमान के न्यूनतम पर नियत किया जायेगा।

परन्तु यह और कि यदि इस प्रकार संगणित रकम पुनरीक्षित वेतनमान के अधिकतम से अधिक है, तो वेतन उस वेतनमान के अधिकतम पर नियत किया जायेगा।

स्पष्टीकरण इस उपनियम के प्रयोजन के लिये "विद्यमान उपलब्धियों" के अन्तर्गत निम्नलिखित आयेंगे —

(क) विद्यमान वेतनमान में मूल वेतन

(ख) महगाई वेतन अतिरिक्त महगाई भत्ता और औसत सूचकांक 608 (1960—100) पर अनुज्ञेय तदर्थ महगाई भत्ता, जो मूल वेतन के समुचित है, और

(ग) विद्यमान वेतनमान में मूल वेतन पर अनुज्ञेय अतःकालीन अनुतोष की पहली और दूसरी किस्त की रकम

(3) सेवा के ऐसे सदस्यों के मामले में जिनमें विद्यमान वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त विशेष वेतन मिल रहा है और जिनके मामले में पुनरीक्षित वेतनमान के साथ विशेष वेतन उसी दर पर या किसी भिन्न दर पर जारी रहता है, पुनरीक्षित वेतनमान में वेतन, उसके स्पष्टीकरण के अनुसार संगणित विद्यमान उपलब्धियों के प्रति निर्देश में विद्यमान विशेष वेतन और महगाई वेतन और महगाई भत्ते और तदर्थ महगाई भत्ते के प्रति निर्देश से उस पर अनुज्ञेय रकम को अग्रवर्तित करके इस उपनियम के उपबन्धों के अनुसार नियत किया जायेगा और ऐसे मामले में तब तक पर विशेष वेतन पुनरीक्षित वेतनमान में इस प्रकार नियत किये गये वेतन के अतिरिक्त दिया जायेगा।

टिप्पणी 1 जहाँ सेवा का सदस्य कोई स्थाई पद धारित कर रहा है और नियमित आधार पर किसी उच्च पद पर स्थानाग्न हो और इन दोनों पदों का साथ वेतनमानों का एक वेतनमान में विलय हो जाता है तो वेतन स्थानाग्न पद के प्रति निर्देश में ही इस उप-नियम के अधीन नियत किया जायेगा और इस प्रकार नियत किये गये वेतन की अधिष्ठाई वेतन माना जायेगा।

टिप्पणी 2 जहाँ इस उपनियम के अनुसार संगणित विद्यमान उपलब्धियाँ सेवा के किसी सदस्य की दशा में पुनरीक्षित उपलब्धियों से अधिक है तो अंतर, वेतन में भविष्य की वृद्धियों में प्रामेयित होने वाले वैयक्तिक वेतन के रूप में अनुज्ञेय किया जाएगा।

टिप्पणी 3: जहाँ इस उपनियम के अधीन वेतन निश्चित करने में विद्यमान वेतनमान में 5 कमवर्ती प्रक्रमों पर वेतन लेने वाले सेवा के सदस्यों का वेतन समराशि हो, जाता है अर्थात् पुनरीक्षित वेतनमान उसी प्रक्रम पर नियत हो जाता है तो ऐसे सेवा के सदस्यों के जो विद्यमान वेतनमान में प्रथम 5 कमवर्ती प्रक्रमों के परे वेतन ले रहे हैं, पुनरीक्षित वेतनमान में वेतन उस प्रक्रम तक, जहाँ ऐसी समकरण शक्ति घटित होती है, पुनरीक्षित वेतनमान में वेतनवृद्धियों के अनुदान से निम्नलिखित रीति से बढ़ाया जाएगा, अर्थात्—

(क) विद्यमान वेतनमान में छठवें से सवें प्रक्रम तक वेतन लेने वाले सेवा के सदस्यों के लिए—एक वेतनवृद्धि द्वारा

(ख) विद्यमान वेतनमान में 11वें से 15वें प्रक्रम तक वेतन लेने वाले सेवा के सदस्यों के लिए यदि सवें प्रक्रम के पर सम-राशिकरण हो—दो वेतनवृद्धियों द्वारा

(ग) विद्यमान वेतनमान में 16वें से 20वें प्रक्रम तक वेतन लेने वाले सेवा के सदस्यों के लिए यदि 15वें प्रक्रम के पर सम-राशिकरण हो—तीन वेतनवृद्धियों द्वारा

यदि यथोक्त वेतन बढ़ाने से सेवा के सदस्य का वेतन पुनरीक्षित वेतनमान में उस प्रक्रम पर नियत हो जाता है जो पुनरीक्षित वेतनमान में उस प्रक्रम से उच्चतर है जिस पर किसी अधिकारी का वेतन, उसी विद्यमान वेतनमान में प्रगते उच्चतर प्रक्रम या प्रक्रमों पर वेतन ले रहा था, नियत किया जाता है, तो पर्याप्त कथित का वेतन भी उस सीमा तक बढ़ाया जाएगा जिस तक कि वह पूर्व कथित के वेतन से कम है।

टिप्पणी 4: जहाँ इस उपनियम के अधीन वेतन के नियमन में सेवा के सदस्य का वेतन, जो विद्यमान वेतनमान में 1 जनवरी, 1986 के ठीक पूर्व उसी काष्ठ में उससे कनिष्ठ सेवा के अन्य सदस्य से अधिक वेतन ले रहा था, पुनरीक्षित वेतनमान में ऐसे कनिष्ठ अधिकारी से निम्नतर प्रक्रम पर नियत हो जाता है, तो उसका वेतन पुनरीक्षित वेतनमान में उसी प्रक्रम पर कनिष्ठ के जैसा ही बढ़ाया जाएगा।

टिप्पणी 5: जहाँ सेवा के सदस्य को 1 जनवरी, 1986 को ऐसा वैयक्तिक वेतन मिल रहा हो जो इस उपनियम के अनुसार संगणित उसकी विद्यमान उपलब्धियों से मिल कर पुनरीक्षित उपलब्धियों से अधिक हो जाता है वहाँ ऐसे अधिकार को व्यपदिष्ट करने वाली भीतर सेवा के सदस्य को वेतन में भविष्य की वृद्धियों में प्रामेयित होने वाले वैयक्तिक वेतन के रूप में अनुज्ञेय किया जाएगा।

टिप्पणी 6: ऐसे मामलों में जहाँ सेवा का ज्येष्ठ सदस्य 1 जनवरी, 1986 से पूर्व उच्च पद पर प्राप्त होने पर पुनरीक्षित वेतनमान में अपने उस ज्येष्ठ से कम वेतन लेता है जिसे उच्च पद पर 1 जनवरी, 1986 से या उनके पदावधि प्रारम्भ किया गया है तो सेवा के ज्येष्ठ सदस्य का वेतन उस उच्च पद पर उसके कनिष्ठ के नियत वेतन के बराबर रहने तक बढ़ा दिया जाता चाहिए। ऐसा सेवा के कनिष्ठ सदस्य की प्रोन्नति की तारीख से निम्नलिखित शर्तों को पूरा करने के अध्वधीन रहते हुए किया जाना चाहिए—

(क) सेवा के कनिष्ठ और ज्येष्ठ सदस्य दोनों का संबंध एक ही काष्ठ में होना चाहिए और वे पद जिस पर उनकी प्रोन्नति हुई है उसी काष्ठ में समान होने चाहिए।

(ख) उन निम्न और उच्च पदों के पूर्व पुनरीक्षित और पुनरीक्षित वेतनमान जिन में वे वेतन लेने के हकदार हैं, समान होने चाहिए।

(ग) विद्यमान प्रत्यक्ष इस उपनियम के उपबन्धों के लागू होने के परिणामस्वरूप होनी चाहिए। यदि निम्न पद पर भी, कनिष्ठ अधिकारी पूर्व पुनरीक्षित वेतनमान में उसे अनुदत्त अधिक वेतन वृद्धियों के फलस्वरूप अपने ज्येष्ठ अधिकारी से अधिक वेतन ले रहा था तो ज्येष्ठ अधिकारी का वेतन बढ़ाने के लिए इस टिप्पणी के उपबन्धों का सहारा लेने की जरूरत नहीं।

3. उक्त नियमावली के नियम 4 में,

(i) उप-नियम (2) के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा अर्थात्—

“(2) वरिष्ठ समय वेतनमान के किसी पद पर सेवा के किसी सदस्य की नियुक्ति पर कनिष्ठ वेतनमान में वेतन जिस स्तर पर ऐसा वेतनमान बनता था उसमें एक वेतनवृद्धि देकर (अथवा निम्न स्तर में अन्तिम वेतनवृद्धि के बराबर राशि देकर यदि वह कनिष्ठ वेतनमान के अधिकतम वेतन पर रहा था) कनिष्ठ वेतनमान में उसके वेतनमान को बढ़ाकर काल्पनिक रूप में जो वेतन बनता है उससे अगले स्तर पर अथवा उच्च वेतनमान के न्यूनतम पर, इनमें से जो भी अधिक हो, निर्धारित किया जाएगा”

(ii) उप-नियम 6(क) के बाद निम्नलिखित उप-नियमों को अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्—

“(6ख) कनिष्ठ प्रशासनिक वेतनमान में नियुक्ति पर सेवा के सदस्य के वेतन वरिष्ठ काल वेतनमान में (क) वेतन के उस स्तर पर जो वरिष्ठ काल वेतनमान में उनके वेतन के बराबर हो अथवा यदि ऐसा कोई स्तर विद्यमान नहीं है तो ऐसी स्थिति में उसका वेतन उसके वेतन में समाहित मार्गों में वृद्धि किए जाने वाले अन्तर की राशि के बराबर वैयक्तिक वेतन सहित उस वेतन के नीचे के स्तर पर अथवा (ख) कनिष्ठ प्रशासनिक वेतनमान के न्यूनतम पर इनमें से जो भी अधिक हो, निर्धारित किया जाएगा।”

“(6ग) अधिकाल वेतनमान में नियुक्ति होने पर सेवा के किसी सदस्य का अथवा अग्रेजी में वेतन उसी तारीख से निर्धारित किया जाएगा जैसा कि उपर्युक्त उप-नियम (2) में उल्लेख किया गया है।”

4. उक्त नियमों के नियम 5 में,

(i) उप-नियम (2) के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा अर्थात्—

“(2) भारतीय प्रशासनिक सेवा (पार्टी) नियमावली, 1954 के नियम 7 के अन्तर्गत अर्थात् किए गए सेवा के किसी सदस्य के मामले में कनिष्ठ वेतनमान तथा ज्येष्ठ काल वेतनमान और कनिष्ठ प्रशासनिक वेतनमान में वेतन वृद्धि कनिष्ठ वेतनमान, ज्येष्ठ काल वेतनमान अथवा कनिष्ठ प्रशासनिक वेतनमान, जैसा भी मामला हो, में एक वर्ष की सेवा पूरी करने के बाद, उप-नियम (3क) के उपबन्धों के अध्वधीन प्राप्त हो”

(ii) उप-नियम (3क), के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा अर्थात्—

“(3क)” सेवा के ऐसे सदस्य की, जिसका वेतन नियम 3 के उपनियम (3) के अध्वधीन नियत किया गया है अगली वेतनवृद्धि उस तारीख की प्रोद्भूत होगी जिसकी वह उस काल वेतनमान में जो 1 जनवरी, 1986 से ठीक पूर्व उसे लागू था उसे प्रोद्भूत हुई होती।

परन्तु मामलों में जहाँ सेवा के सर्वस्य का वेतन नियम 3 के उप-नियम (3) के अन्तर्गत बढ़ाया जाता है वहाँ अगली वेतनवृद्धि पुनरीक्षित वेतनमान में वेतन को बढ़ाये जाने की तारीख से 12 मास की अवधि सेवा के पूरे होने पर अनुदत्त की जाएगी।

परन्तु यह और कि पूर्ववर्ती परन्तुक के अन्तर्गत आने वाले मामलों से भिन्न मामलों में सेवा के उस सर्वस्य की अगली वेतनवृद्धि, जिसका वेतन 1 जनवरी, 1986 उसी प्रक्रम पर नियत किया जाता है जिस पर कि उसी काब्र में उससे कनिष्ठ अन्य अधिकारी का जो विद्यमान वेतनमान में उसके प्रक्रम से नीचे वेतन से रहा है, नियत किया गया है, उसी तारीख को अनुदत्त की जाएगी जो उससे कनिष्ठ को अनुरोध है यदि कनिष्ठ की वेतनवृद्धि की तारीख पूर्व में आती है।

परन्तु यह और भी कि ऐसे व्यक्तियों के मामले में, जो 2 जनवरी, 1986 की एक वर्ष से अधिक से इस विद्यमान वेतनमान का अधिकतम से रहे वे पुनरीक्षित वेतनमान में वृद्धि 1 जनवरी, 1986 से की जाएगी :

टिप्पण 1. : जहाँ वेतन उक्त परन्तुकों के निबन्धनों के अनुसार नियत किया गया है वहाँ वसता रोध, इस बात की विचार में लाए बिना कि सेवा के किसी सर्वस्य ने विद्यमान वेतनमान में वसता रोध पार किया या नहीं या उस पर रुका हुआ था, पुनरीक्षित वेतनमान में ऐसे रोधों के प्रति निर्देश से ही प्रवृत्त होगा।

टिप्पण 2. : जहाँ अधिष्ठाई पद को लागू पुनरीक्षित वेतनमान में सीधे परन्तुक के निबन्धनों के अनुसार प्रतिरिक्त वेतनवृद्धियाँ देने के कारण सेवा के सर्वस्य का अधिष्ठाई वेतन किसी समय उसके स्थानापन्न वेतन से अधिक हो जाता है तो सेवा के सर्वस्य को स्थानापन्न वेतन के प्रतिरिक्त स्थानापन्न वेतन और अधिष्ठाई वेतन के बीच का अन्तर, वेतन में भविष्य की वृद्धियों में शामिल होने वाले वैयक्तिक वेतन के रूप में उस अधिष्ठाई के दौरान, जिसमें अधिष्ठाई वेतन स्थानापन्न वेतन से अधिक हो, अनुदत्त किया जा सकेगा।

5. उक्त नियमों के नियम 5 के पश्चात् निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्—

5-क वृद्धिरोध वेतनवृद्धि कनिष्ठ वेतनमान/अधेष्ठ वेतनमान कनिष्ठ प्रशासनिक श्रेणी/अन्य श्रेणी/अधिकार वेतनमान में वेतन देने वाला सेवा का सर्वस्य उस वेतनमान के अधिकतम पर पहुँचने

के पश्चात् प्रत्येक 2 सेवा वर्षों के लिए एक वेतनवृद्धि, का पात्र होगा किन्तु ऐसी वेतनवृद्धियाँ छोन से अधिक नहीं मिलेगी।

टिप्पण : वृद्धिरोध वेतनवृद्धियाँ वैयक्तिक वेतन की प्रकृति की होंगी और उन्हीं इन नियमों के अधीन उच्च पद पर प्रोन्नति होने पर वेतन नियतन के या वेतन अथ विशेष वेतन की अधिकतम सीमा लागू करने के प्रयोजन के लिए हिसाब में नहीं लिया जाएगा।

6. उक्त नियमों में अनुसूची 1 को विलोपित किया जाएगा।

7. (1) उक्त नियमों की अनुसूची 2 के खण्ड (i) (ii) (iii) और (iv) में "जनवरी, 1973 का प्रथम दिन" शब्दों और श्रृंखला के स्थान पर "1 जनवरी, 1986" शब्द और शब्द रखे जाएंगे।

(2) अनुसूची 2 में अनुभाग 1 के खण्ड (1) के अधीन स्पष्टीकरण (1) में "वेतनवृद्धि की दर प्रथम दो वेतनवृद्धियों के लिए 50 प. और तत्पश्चात् अनुसूची सीमा तक 60 प." शब्दों और श्रृंखला के स्थान पर "प्रत्येक वेतन वृद्धि के लिए 100 प." शब्द और श्रृंखला रखे जाएंगे।

(3) अनुभाग 1 में वृद्धियों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्—

"इस अनुभाग के खण्ड (1) के अधीन प्रोन्नत अधिकारी का वेतन नियत करने में अनुसरित की जाने वाली पद्धति नीचे दी गई है : प्रोन्नत अधिकारियों की बाबत निम्नलिखित तथ्य विधिपूर्वक—

- (क) अधिकारी का, यथास्थिति राज्य सिविल सेवा में वास्तविक वेतन, या उस सेवा में कल्पित वेतन,
- (ख) राज्य सिविल सेवा में सेवा के संपरित वर्ष
- (ग) भारतीय प्रशासनिक सेवा अथेष्ठ काल वेतनमान में वेतनवृद्धियों की संख्या, जिनकी संगणना राज्य सिविल सेवा के प्रत्येक 3 सेवा वर्षों के लिए एक वेतनवृद्धि की दर से की गई है।

II. भारतीय प्रशासनिक सेवा के अथेष्ठ काल वेतनमान में प्रारम्भिक वेतन को नियत करने के लिए तात्कालिक सूचना को निम्न प्रकार रखा जाए—

	क	ख	ग	घ	ङ
(क) राज्य सिविल सेवा में वेतन	2650	3500	3900	3250	3700
(ख) राज्य सिविल सेवा के संपरित वर्ष	7	6	12	17	3
(ग) वेतन वृद्धियों की संख्या	2	2	6	2	1
(घ) वेतन वृद्धियों की रकम	200	200	600	800	100
(ङ) (क) और (घ) को छोड़ कर निकला वेतन	2850	3700	4500	3750	3800
(क) वह प्रक्रम जिस पर वेतन नियत किया जाना चाहिए।	3200	3700	4575	3975	3800
(ख) परिणामिक वेतन वृद्धि	350	200	675	625	100
(ग) वेतनवृद्धि की वास्तविक रकम जो विनिर्दिष्ट न्यूनतम और अधिकतम के अन्तर्- धीन हो।	200	200	100	300	200
(ङ) (क) और (ग) को छोड़ कर निकला वेतन	2850	3700	4200	3550	3300
(क) वह प्रक्रम जिस पर वेतन भारतीय प्रशासनिक सेवा अथेष्ठ काल वेतनमान में नियत किया जाना चाहिए	3200	3700	4200	3800	3900

(क) एक ऐसा मामला है जिसमें पारिणामिक वृद्धि 300 रुपये की अधिकतम वृद्धि से अधिक हो जाती है और राज्य सिविल सेवा में वेतन तथा 300 रुपये का योग 3200 रुपये से कम बैठता है और इसलिए वेतन ज्येष्ठ काल वेतनमान के स्मृततम पर नियत किया गया है।

(ख) एक ऐसा मामला है जिसमें पारिणामिक वृद्धि 200 रु है और नियत किया गया वेतन भारतीय प्रशासनिक सेवा ज्येष्ठ काल वेतनमान में एक प्रक्रम का तत्स्थानी है और इस प्रकार वेतन उस प्रक्रम पर नियत किया जाएगा, न कि उससे अगले प्रक्रम पर।

(ग) एक ऐसा मामला है कि जहाँ पारिणामिक वृद्धि 300 रुपये की अधिकतम वृद्धि से अधिक हो जाती है जब वेतन को राज्य सिविल सेवा के ज्येष्ठ काल वेतनमान में उस प्रक्रम पर 300 रुपये का योग करके नियत किया जाएगा।

(घ) एक ऐसा मामला है कि जब पारिणामिक वृद्धि 300 रुपये की अधिकतम वृद्धि से अधिक हो जाए तब वेतन को भारतीय प्रशासनिक सेवा ज्येष्ठ काल वेतनमान के उस प्रक्रम पर नियत किया जाएगा जो राज्य सिविल सेवा में के वेतन और 300 रुपये के योग के अगले क्रम को प्रक्रम पर हो।

(ङ) एक ऐसा मामला है जिसमें पारिणामिक वृद्धि 200 रुपये की स्मृततम वृद्धि से कम है। ऐसी दशा में वेतन ज्येष्ठ काल वेतनमान के उस प्रक्रम पर नियत किया गया है जो राज्य सिविल सेवा में वेतन तथा 200 रुपये के योग के बराबर हो।

8. उक्त नियमों की अनुसूची 3 के शीर्षक "क"—वे पद जिनका वेतन राज्य सरकारों के अधीन भारतीय प्रशासनिक सेवा के काल वेतनमान से अधिक है के अधीन स्तम्भ सं. (3) में

3500/00, 3000/00, 2500-125/2-2750  
अंकों के स्थान पर क्रमशः

"8000/00, 7300-100-7600 और 5900-200-6700 अंक  
रखे जाएंगे।"

9. उक्त नियमों की अनुसूची 3 के शीर्षक "ख" राज्य सरकारों के अधीन भारतीय प्रशासनिक सेवा के ज्येष्ठ काल वेतनमान में वेतन वाले पद, जिनके अन्तर्गत काल वेतनमान में वेतन के प्रतिरिक्त विशेष वेतन वाले पद भी हैं के अधीन, खण्ड (3) के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

(3) विशेष वेतन की रकम, जो राज्य सरकार, खण्ड (2) के अधीन मंजूर कर सकेगी क्रमशः 200, 300, 400, 450, या 500 रु. होगी जो समय-समय पर संवद्ध राज्य सरकार द्वारा अवधारित की जाएगी :

परन्तु यह कि वेतन धन विशेष वेतन उस वेतनमान के अधिकतम से अधिक नहीं होगा जिसके साथ विशेष वेतन संलग्न है :

परन्तु यह और कि वेतन श्रेणी में वेतन विशेष वेतन से मिल कर 6150 रु. प्रतिमास से अधिक नहीं होगा।

10. उक्त नियमों की अनुसूची 3 में शीर्षक "ग"—वे पद, जिनका वेतनकाल वेतनमान से अधिक है या जिनके साथ केन्द्रीय सरकार के अधीन जब पद सेवा के सदस्यों द्वारा धारित किए गए हों, काल वेतनमान में वेतन के प्रतिरिक्त विशेष वेतन है के अधीन

(i) वेतन/वेतनमान शीर्षक के अधीन वाले 3500, 3000 और 2500-125/2-2750 अंकों के स्थान पर क्रमशः 3000, 7300-100-7600, 5900-200-6700 अंक रखे जाएंगे।

(ii) भारत सरकार के उपसचिव, भयन श्रेणी, ज्येष्ठ काल वेतनमान 300 रु. इस शर्त के अध्वक्षीन रहते हुए कि वेतन और विशेष वेतन दोनों मिलकर 2450 रु. से अधिक न हो के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टियाँ रखी जाएंगी, अर्थात् :—

भारत सरकार के उप सचिव	500 रु. इस शर्त के अध्वक्षीन
भयन श्रेणी	रहते हुए कि कनिष्ठ प्रशासनिक
कनिष्ठ प्रशासनिक श्रेणी	श्रेणी में वेतन और विशेष वेतन
	दोनों मिल कर 5000 रु. से
	अधिक न हों और भयन श्रेणी
	में वेतन 6150 रु. से अधिक
	न हो।

(iii) भारत सरकार के अवर सचिव 200 रु. इस शर्त के अध्वक्षीन ज्येष्ठ वेतनमान या कनिष्ठ रहते हुए कि वेतन और विशेष वेतनमान प्रविष्टियों के स्थान वेतन 1700 रु. से अधिक न पर निम्नलिखित प्रविष्टियाँ हो। रखी जाएंगी।

भारत सरकार के अवर सचिव	(रु. 400) शर्त यह है कि वेतन,
कनिष्ठ प्रशासनिक श्रेणी या	विशेष वेतन का योग वेतनमान के
ज्येष्ठ काल वेतनमान अथवा	अधिकतम से प्राप्ति नहीं बढ़ेगा।
कनिष्ठ वेतनमान।	

(iv) अनुसूची 3-ग में सम्मिलित मंत्रालयों या कार्यालयों से संबंधित प्रविष्टियों के अन्त में विद्यमान टिप्पण के स्थान पर निम्नलिखित टिप्पण रखी जाएगी, अर्थात् :—

"टिप्पण—जहाँ 500-00 रु. का विशेष वेतन उपवर्धित किया गया है जहाँ कनिष्ठ प्रशासनिक श्रेणी में वेतन और विशेष वेतन दोनों मिलकर 5000 रु. प्रतिमास से अधिक न हों और भयन श्रेणी में वेतन धन विशेष वेतन 6150 रु. प्रतिमास से अधिक न हो।"

11. उक्त नियमों की अनुसूची 4 चटा हो जाएगी।

#### व्याख्यात्मक भाषण

केन्द्रीय सरकार में प्रचलित भारतीय सेवाओं तथा केन्द्रीय सिविल सेवा समूह "क" के संबंध में वेतनमानों के संशोधन के बारे में बहुत ही केन्द्रीय वेतन प्रायोग द्वारा की गई सिफारिशों के संबंध में निर्णयों की पहली जनवरी 1988 से कार्यान्वित करने का निर्णय किया है।

भारतीय प्रशासनिक सेवा (वेतन) नियमावली, 1954 में पहली जनवरी, 1986 से तबनुसूची संशोधन किए जा रहे हैं।

यह प्रस्तावित किया जाता है कि इस अधिसूचना की मूलजो प्रभाव दिए जाने से भारतीय प्रशासनिक सेवा के किसी तत्क्षम पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना नहीं है।



टिप्पणी :—मूल नियम 14-9-1954, के तहत संख्या, 158 द्वारा प्रकाशित किए गए और निम्नलिखित सा.का.नि. द्वारा संशोधित किए गए --

क्रम सं.	सा.का.नि. संख्या	दिनांक	क्रम सं.	सा.का.नि.	दिनांक संख्या
1	22	12-1-1974	45.	26-ई	17-1-1976
2.	51-ई	26-2-1974	46	61-ई.	31-1-1976
3.	52-ई.	28-2-1974	47.	197	14-2-1976
4.	272	18-3-1974	48.	73-ई	10-2-1976
5.	186-ई.	25-4-1976	49.	234 ई.	17-3-1976
6.	664	29-6-1974	50.	236-ई.	17-3-1976
7	725	13-7-1974	51.	287-ई	6-4-1976
8.	778	27-7-1974	52.	603	1-5-1976
9.	374-ई.	26-8-1974	53.	330-ई.	11-5-1976
10.	376-ई.	26-8-1974	54.	900	26-6-1976
11.	378-ई	26-8-1974	55.	417-ई	22-6-1976
12.	976	14-9-1974	56.	425-ई.	25-6-1976
13.	979	14-9-1974	57.	891	10-7-1976
14	1013	21-9-1974	58	405-ई.	16-6-1976
15.	1069	6-10-1974	59.	466-ई.	23-7-1976
16	427 ई	16-10-1974	60.	1137	7-8-1976
17.	420-ई.	17-10-1974	61.	783-ई	31-8-1976
18.	1202	16-11-1974	62.	789-ई.	7-3-1976
19.	467-ई.	15-11-1974	63.	1368	25-9-1976
20	468-ई.	15-11-1974	64.	822-ई.	31-8-1976
21.	469-ई.	15-11-1974	65.	849-ई	15-10-1976
22.	1260	30-11-1974	66.	859-ई.	1-11-1976
23.	1300	7-12-1974	67.	947-ई.	34-12-1976
24.	1348	21-12-1974	68.	954-ई.	27-12-1976
25.	92	25-1-1975	69.	128	29-1-1977
26.	176	8-2-1975	70.	45-ई.	28-1-1977
27.	48	19-1-1975	71.	52-ई.	1-8-1977
28.	309	8-3-1975	72.	437	2-4-1977
29.	185-ई.	2-4-1975	73.	868	9-7-1977
30.	281-ई.	4-5-1975	74.	531-ई.	19-7-1977
31.	278 ई.	13-5-1975	75.	543-ई	29-7-1977
32.	293-ई.	23-5-1975	76.	549-ई.	3-8-1977
33.	296-ई.	26-5-1975	77	589-ई.	23-8-1977
34.	305-ई	26-5-1975	78.	1286	1-10-1977
35.	782	21-6-1975	79.	655-ई.	28-10-1977
36.	345-ई.	25-6-1975	80.	45	14-1-1978
37.	433-ई.	30-7-1975	81.	5-ई.	4-1-1978
38.	458-ई.	22-8-1975	82.	215	11-2-1978
39.	472-ई.	29-8-1975	83	952	29-7-1978
40	2661	15-11-1975	84.	886	6-5-1978
41.	2557	25-10-1975	85	666	27-5-1978
42	1	3-1-1976	86.	923	22-7-1978
43.	8-ई.	1-1-1976	87	1127	16-9-1978
44.	74	17-1-1976	88.	1236	14-10-1978

क्रम संख्या	सा.का.नि. संख्या	दिनांक	क्र.सं.	भा.का.नि. सं.	दिनांक
89.	1281	28-10-1978	136	420	8-5-82
90	1278	28-10-1978	137.	510	5-6-1982
91	1326	11-11-1978	138.	610	17-7-1982
92	875-ई	8-12-78	139.	617	24-7-1982
93.	139	3-2-79	140.	619	24-7-1982
94.	473	31-3-79	141.	777	18-8-82
95	620	28-4-1979	142.	619-ई	20-10-1982
96.	291-ई	10-5-1979	143.	631-ई	29-10-198
97.	290-ई	10-5-1979	144	933	26-11-82
98.	771	9-6-1979	145.	958	4-12-1982
99.	812	16-6-1979	146.	764-ई	18-12-1982
100.	1038	11-8-1979	147.	18-ई	10-1-1983
101.	1016	4-8-1979	148.	204	12-3-1983
102.	591-ई	24-10-1979	149.	333	15-4-1983
103.	1372	17-11-1979	150.	447-ई	24-5-1983
104.	650-ई	27-11-1979	151.	508.	16-7-1983
105	629-ई	17-11-1979	152.	932	10-12-1983
106.	597-ई	30-10-1979	153.	839-ई	20-12-1983
107.	77	26-1-1980	154.	901-ई	20-12-1983
108	24-ई	30-1-1980	155.	919-ई	24-12-1983
109.	159	9-2-1980	156	35	21-1-1984
110.	220-ई	21-4-1980	157.	400	21-4-1984
111	222-ई	21-4-1980	158	477	19-5-1984
112.	228-ई	5-6-1980	159.	1058	13-10-1984
113.	290-ई	5-6-1980	160.	1240	13-12-1984
114.	447-ई	24-7-1980	161.	49	19-1-198
115.	770	26-7-1980	162.	107	2-2-1985
116.	952	20-9-1980	163.	250	9-3-1985
117	530-ई	8-0-1980	164	639	6-7-1985
118.	523-ई	8-9-1980	165	637	6-7-1985
119.	572-ई	7-10-1980	166.	569-ई	15-7-1985
120.	120	8-11-1980	167.	708	3-2-1985
121	701-ई	17-12-1980	168.	792	24-8-1985
122	703-ई	17-12-1980	169	919	5-10-1985
123.	47-ई	5-2-1981	170	1141	14-12-1985
124.	230	28-2-81	171.	881-ई	4-12-1985
125.	295	21-3-1981	172	3939	18-1-1986
126.	293-ई	15-4-1981	173	99	8-2-1986
127.	295-ई	15-4-1981	174.	218	22-3-1986
128	529	6-6-1981	175	226	29-3-1986
129.	489	23-5-1981	176	378	31-5-1986
130	640	4-2-1981	177	768	20-3-1986
131.	640	11-7-1981	178	835	18-10-1986
132	809	5-9-1981	179.	1069	13-12-1986
133	926	19-10-1981	180	22	10-1-1987
134.	945	24-10-1981	181	90	14-2-1987
135.	422	8-5-1982			

## MINISTRY OF PERSONNEL, P.G. &amp; PENSIONS

(Department of Personnel &amp; Training)

New Delhi, the 13th March, 1987

## NOTIFICATIONS

G.S.R. 284(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section(1) of section 3 of the All India Services Act, 1951 (61 of 1951), the Central Government after consultation with the Governments of the States concerned, hereby makes the following rules further to amend the Indian Administrative Service (Pay) Rules, 1954, namely :—

1. (1) These rules may be called the Indian Administrative Service(Pay) Second Admendment Rules, 1987.
- (2) They shall be deemed to have come into force on the 1st day of January, 1986.
2. In the Indian Administrative Service (Pay) Rules, 1954 (hereinafter referred to as the said rules):
  - (a) for sub-rule (1) in rule 3, the following shall be substituted, namely :
 

“(1) The scales of pay admissible to a Member of the Service & the dates with effect from which the said scales shall be deemed to have come into force, shall be as follows :—

Junior Scale Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000

with effect from the 1st day of January, 1986.

## Senior Scale—

- (i) Time Scale Rs. 3200 (5th year & 6th year) —100-3700-125-4700 with effect from the 1st day of January, 1986.
- (ii) Junior Administrative Grade—Rs. 3950-125-4700-150-5000 (non-functional) with effect from the 1st day of January, 1986 :

Provided that a member of the Service shall be appointed to the senior scale on his completing 4 years of service, subject to the provisions of Sub-rule 2 of Rule 6A of the Indian Administrative Service (Recruitment) Rules, 1954 and to the Junior Administrative Grade on completing 9 years of service.

(Note : The four years and nine years of service in this rule shall be calculated from the year of allotment assigned to him under Regulation 3 of the Indian Administrative Service (Regulation of Seniority) Rules, 1954).

- (iii) Selection Grade :—Rs. 4800-150-5700 with effect from the 1st day of January, 1986.

Supertime scale : Rs. 5900-200-6700 with effect from the 1st day of January, 1986.

Above supertime scale : (i) Rs. 7300-100-7600.

(ii) Rs. 8000(Fixed)

with effect from the 1st day of January, 1986.

Provided that a member of Service may elect to continue to draw pay in the existing scale until the date on which he earns his next or any subsequent increment in the existing scale or until he vacates his post or ceases to draw pay in that scale. The option shall be exercised in accordance with such orders as may be issued by the Central Government in this behalf.

**Explanation 1 :** The option to retain the existing scale under the proviso to this rule shall be admissible only in respect of one existing scale.

**Explanation 2 :** The aforesaid option shall not be Admissible to any person appointed to the service on or after the 1st day of January, 1986 and he shall be allowed pay only in the revised scale.

**Explanation 3 :** Where a member of the Service exercises an option under the proviso to this rule to retain the existing scale in respect of a post held by him in an officiating capacity on a regular basis for the purpose of regulation of pay in that scale his substantive pay shall be the substantive pay which he would have drawn had he retained the existing scale in the permanent post on which he holds a lien or would have held a lien had his lien not been suspended or the pay of the officiating post which has acquired the character of substantive pay in accordance with any order for the time being in force which-ever is higher.”

(b) for sub-rule (2) of Rule 3, the following shall be substituted, namely :—

“(2) (i) A member of the service shall be entitled to draw pay in the selection grade only on appointment to that grade.

(ii) The pay of a member of the service in the Junior Administrative Grade shall, on appointment to the Selection Grade be fixed : (a) at the stage which is equal to his pay in the Junior Administrative Grade or if there is no such stage, the stage next below that pay, plus personal pay equal to the difference to be absorbed in figure increases in pay or, (b) the minimum of the Selection Grade, whichever is higher.

(iii) The next increment in the Selection Grade would accrue after rendering the requisite qualifying service in that grade :

Provided that all leave, except extra-ordinary leave taken otherwise than on medical certificate, shall count for increment in the Selection Grade :

Provided also that the Central Government may, in any case, in which it is satisfied that the extra-ordinary leave was taken for any cause beyond the control of the member of the service or for prosecuting higher Scientific or Technical studies, direct that such extraordinary leave shall be counted for increment under this sub-rule.”



(c) for sub-rule 3 of rule 3, the following shall be substituted, namely :—

“(3) The initial pay of a member of the service who elects or deemed to have elected, in accordance with these rules, to be governed by the revised scale on and from the 1st day of January, 1986 or from a later date shall be re-fixed as from that date separately in respect of the pay drawn in a substantive or officiating capacity in the following manner :—

- (i) An amount representing 20 per cent of the basic pay in the existing scale subject to a minimum of Rs. 75 shall be added to the existing emoluments of the member of the service.
- (ii) After the existing emoluments have been so increased the pay shall thereafter be fixed in the revised scale at the stage next above the amount thus computed :

Provided that if the amount so computed is less than the minimum of the revised scale, the pay shall be fixed at the minimum of that scale :

Provided further that if the amount so computed is more than the maximum of the revised scale, the pay shall be fixed at the maximum of that scale.

Explanation : For the purpose of this sub-rule ‘existing emoluments’ shall include :—

- (a) the basic pay in the existing scale;
- (b) the dearness pay, additional dearness allowance and ad-hoc dearness allowance appropriate to the basic pay admissible at index average 608 (1960=100); and
- (c) the amounts of first and second instalments of interim relief admissible on the basic pay in the existing scale.
- (iii) In the case of members of service who are in receipt of special pay in addition to pay in the existing scales and in whose case special pay continues with the revised scale of pay either at the same rate or at a different rate, the pay in the revised scale shall be fixed in accordance with the provisions of this sub-rule with reference to existing emoluments calculated in accordance with the Explanation thereto, after excluding the existing special pay and the amounts admissible thereon with reference to dearness pay, additional dearness allowance and ad hoc dearness allowance, and in such cases special pay at the new rate shall be drawn in addition to the pay so fixed in the revised scale

Note 1 : Where a member of the service is holding a permanent post and is officiating in a higher post on a regular basis and the scales applicable to those two posts are merged into one scale, the pay shall be fixed under this sub-rule with reference to the officiating post only, and the pay so fixed shall be treated as substantive pay.

Note 2 : Where the existing emoluments as calculated in accordance with this sub-rule exceed the revised emoluments in the case of any member of the service, the difference shall be allowed as personal pay to be absorbed in future increases in pay.

Note 3 : Where in a fixation of pay under this sub-rule, the pay of members of the service drawing pay at more than five consecutive stages in an existing scale gets bunched, that is to say, gets fixed in the revised scale at the same stage, the pay in the revised scale of such of the members of the service who are drawing pay beyond the first five consecutive stages in the existing scale shall be stepped up to the stage where such bunching occurs, as under, by the grant of increment(s) in the revised scale in the following manner, namely :—

- (a) for members of service drawing pay from the 6th upto the 10th stage in the existing scale—By one increment;
- (b) for members of service drawing pay from the 11th upto 15th stage in the existing scale if there is bunching beyond the 10th stage—By two increments;
- (c) for members of service drawing pay from the 16th upto 20th stage in the existing scale, if there is bunching beyond the 15th stage—By three increments

If by stepping up of the pay as above, the pay of a Member of the service gets fixed at a stage in the revised scale which is higher than the stage in the revised scale at which the pay of the member of the service who was drawing pay at the next higher stage or stages in the same existing scale is fixed, the pay of the latter shall be stepped up only to the extent by which it falls short of that of the former.

Note 4 : Where in the fixation of pay under this sub-rule the pay of a member of service who, in the existing scale was drawing immediately before the 1st day of January, 1986 more pay than another member of the service junior to him in the same cadre, gets fixed in the revised scale at a stage lower than that of such junior, his pay shall be stepped upto the same stage in the revised scale as that of the junior

Note 5 : Where a member of the service is in receipt of personal pay on the 1st day of January, 1986 which together with his existing emoluments as calculated in accordance with this sub-rule exceeds the revised emoluments, then the difference representing such excess shall be allowed to such member of the Service as personal pay to be absorbed in future increases in pay

Note 6 : In cases where a senior member of the Service promoted to a higher post before the 1st day of January 1986 draws less pay in the revised scale than his junior who is

promoted to the higher post on or after the 1st day of January, 1986, the pay of the senior member of the Service should be stepped up to an amount equal to the pay as fixed for his junior in that higher post. The stepping up should be done with effect from the date of promotion of the junior member of the Service subject to the fulfilment of the following conditions, namely :

- (a) both the junior and the senior members of the Service should belong to the same cadre and the posts in which they have been promoted should be identical in the same cadre;
- (b) the pre-revised and revised scales of pay of the lower and higher posts in which they are entitled to draw pay should be identical, and
- (c) the anomaly should be directly as a result of the application of the provisions of this sub-rule. If even in the lower post, the junior officer was drawing more pay in the pre-revised scale than the senior by virtue of any advance increments granted to him, provisions of this Note need not be invoked to step up the pay of the senior officer."

3. In Rule 4 of the said Rules,

- (i) for sub-rule (2), the following shall be substituted, namely :—

"(2) The pay of a member of the Service in the junior scale shall, on appointment to a post on the senior time scale, be fixed at the stage next above the pay nationally arrived at by increasing his pay in the lower scale by one increment at the stage at which such pay accrued (or by an amount equal to the last increment in the lower scale if he was drawing pay at the maximum of the lower scale) or the minimum of the higher scale whichever is higher."

- (ii) after sub-rule (6A), the following sub rules shall be inserted, namely :—

"(6B) The pay of a member of the Service in the senior time scale shall, on appointment to the Junior Administrative Grade, be fixed : (a) at the stage which is equal to his pay in the senior time scale or if there is no such stage, the stage next below that pay, plus personal pay equal to the difference to be absorbed in future increases in pay, or (b) the minimum of the Junior Administrative Grade, whichever is higher."

"(6C) The pay of a member of the Service in Selection Grade shall on appointment to the Supertime Scale be fixed in the same manner as in sub-rule (2) above."

4. In Rule 5, of the said Rules,

- (i) for sub-rule (2), the following shall be substituted, namely :—

"(2) In the case of a member of the Service recruited under Rule 7 of the Indian Administrative Service (Recruitment) Rules, 1954, increment in the junior scale and senior time scale and Junior Administrative Grade shall accrue on completion of one year's service in the junior scale, senior time scale or the Junior Administrative Grade, as the case may be, subject to the provision of sub-rule (3A).

- (ii) for sub-rule (3A), the following shall be substituted, namely :—

"(3A) The next increment of a member of the Service whose pay has been fixed under sub-rule (3) of rule 3 shall accrue to him on the date on which it would have accrued to him in the scale of pay applicable to him, immediately before the 1st day of January, 1986 :

Provided that in cases where the pay of a member of the Service is stepped up under sub-rule (3) of rule 3 the next increment shall be granted on the completion of qualifying service of twelve months from the date of the stepping up of the pay in the revised scale :

Provided further that in cases other than those covered by the preceding proviso, the next increment of a member of the Service whose pay is fixed on the 1st day of January, 1986 at the same stage as the one fixed for another member of the Service junior to him in the same cadre and drawing pay at a lower stage than his in the existing scale, shall be granted on the same date as admissible to his junior, if the date of increment of the junior happens to be earlier :

Provided also that in the case of persons who had been drawing maximum of the existing scale for more than a year as on the 1st day of January, 1986, next increment in the revised scale shall be allowed on the 1st day of January, 1986.

Note 1 : Wherever the pay has been fixed in terms of the above provisos the efficiency bar will become operative only with reference to such bars in the revised scale, irrespective of whether a member of the service had crossed or not crossed or had been held up at the efficiency bar in the existing scale.

Note 2 : Where by the grant of additional increments in terms of the third proviso in the revised scale applicable to the substantive post, the substantive pay of a member of the service exceeds his officiating pay at any time, the member of the service may be allowed, in addition to officiating pay, the difference between the officiating pay and substantive pay as personal pay to be absorbed in future increments for the periods during which the substantive pay exceeds officiating pay."

5. After rule 5 of the said rules, the following shall be inserted namely :—

“5A. Stagnation increments.—A member of the Service drawing pay in the junior scale|senior scale Under Administrative Grade|selection grade|supertime scale shall be eligible for one increment for every two years of service rendered after reaching the maximum of that scale, subject to a maximum of three increments.

Note : The stagnation increments shall be in the nature of personal pay and shall not be taken into account for the purpose of fixation of pay on promotion to higher post or for applying the ceiling on pay plus special pay, under these rules.”

6. In the said rules, Schedule I shall be deleted.

7. In the Schedule II of the said rules,—

(i) for the words and figures “first day of January, 1973” appearing in clauses (i), (ii), (iii) and (iv) the words and figures “1st day of January, 1986” shall be substituted;,”

(ii) in the explanation (i) under clause (1) of section 1 in Schedule II, for the words and figure “Rs. 50 for the first two increments

and Rs. 60 thereafter to the extent permissible”, the words and figure “Rs. 100 for each increment” shall be substituted;

(iii) for the illustrations in section 1, the following shall be substituted, namely :—

“The method to be followed in fixing the pay of a promoted officer under clause (1) of this section is indicated below :—

The following data in respect of the promoted officers to be noted down :—

(a) Actual pay of the officer in the State Civil Service or, as the case may be, he assumed pay in that service;

(b) Completed years of Service in the State Civil Service, and

(c) Number of increments in the senior time scale of the Indian Administrative Service calculated at the rate of one increment for every three years of service in the State Civil Service.

II. Tabulate the information as follows to arrive at the initial pay to be fixed in the senior time scale of Indian Administrative Service :—

(a) Pay in State Civil Service	2650	3500	3900	3250	3700
(b) Completed years of Service in State Civil Service	7	6	8	17	3
(c) Number of increments	2	2	6	5	1
(d) Amount of increments	200	200	600	500	100
(e) Pay arrived at by addition of (a) and (d)	2850	3700	4500	3750	3800
(f) Stage at which pay should be fixed	3200	3700	4575	3875	3800
(g) Resultant increase	550	200	675	625	100
(h) Actual amount of increase subject to the minimum and maximum specified	200	200	300	300	200
(i) Pay arrived at by addition of (a) and (h)	2850	3700	4200	3550	3900
(j) Stage at which pay should be fixed in the senior time scale of Indian Administrative Service	3200	3700	4200	3600	3900

(a) is a case where the resultant increase exceeds the maximum increase of Rs. 300 and the pay in the State Civil Service plus Rs. 300 results in a figure below Rs. 3200. Hence pay is fixed as the minimum of the senior scale.

(b) is a case where the resultant increase is Rs. 200 and the pay fixed corresponds with the stage in the senior time scale of the

IAS and as such pay is to be fixed at that stage and not at the higher stage.

(c) is a case where the resultant increase exceeds the maximum increase of Rs. 300, pay is to be fixed at the stage in the senior scale equal to the pay in the State Civil Service plus Rs. 300.

(d) is a case where the resultant increase exceeds the maximum increase of Rs. 300 and pay in this case is to be fixed at the stage of the senior time scale next above the pay in the State Civil Service plus Rs. 300.

(e) is a case where the resultant increase is less than the minimum increase of Rs. 200. In such a case pay is to be fixed in the senior time scale at the stage equal to the pay in the State Civil Service plus Rs. 200."

8. In Schedule III of the said rules, under the heading "A-posts carrying the pay above, the time scale in the Indian Administrative Service under the State Government", in column number (3),

for the figures "3500, 3000, 2500-25|2-2750" the figures "3000, 7300-100-7600 and 5900-200-6700" respectively shall be substituted.

9. In Schedule III of the said rules, under the heading "B-Posts carrying pay in the senior time scale of the Indian Administrative Service under the State Governments including posts carrying special pay in addition to pay with the time scale",—for clause (3), the following shall be substituted, namely :—

"(3) The amount of any special pay which may be sanctioned" by the State Governments under clause (2) shall be Rs. 200, Rs. 300, Rs. 400, Rs. 450 or Rs. 500 as may, from time to time, be determined by the State Government concerned :

Provided that pay plus special pay shall not exceed the maximum of the pay scale to which special pay is attached;

Provided further that the pay in Selection Grade together with special pay shall not exceed Rs. 6150 per month".

10. In Schedule III of the said rules, under heading "C-Posts carrying pay above the time scale or special pay in addition to pay in the time scale under the Central Government when held by members of the service",—

(i) for the figures "3500, 3000 and 2500-125|2-2750" appearing under the heading 'pay scale of pay', the figures 8000, 7300-100-7600, 5900-200-6700" respectively shall be substituted;

(ii) for the entries "Deputy Secretaries to the Government of India Selection Grade Senior time scale Rs. 300 subject to the condition that pay plus special pay does not exceed Rs. 2450",

the following entries shall be substituted, namely :

"Deputy Secretary to the Government of India Selection Grade Junior Administrative Grade Rs. 500 subject to the condition that pay in the Junior Administrative Grade plus special pay does not exceed the maximum of the scale and pay in the selection grade plus special pay does not exceed Rs. 6150.

(iii) for entries, "Under Secretaries to the Government of India, Senior scale or Junior scale Rs. 200 subject to the condition that pay special pay does not exceed Rs. 1790".

the following shall be substituted, namely :—

"Under Secretary to the Government of India Junior Administrative Grade or Senior time scale or Junior Scale Rs. 400, subject to the condition that pay plus special pay does not exceed the maximum of the scale;"

(iv) for the note at the end of the entries relating to the Ministries or offices included in Schedule III-C, the following note shall be substituted, namely :—

Note :—Wherever special pay of Rs. 500 is indicated, pay in the Junior Administrative Grade plus special pay shall not exceed Rs. 5000 P.M. and pay in the Selection Grade plus special pay shall not exceed Rs. 6150 per month."

11. In the said rules, Schedule IV shall be omitted.

#### EXPLANATORY MEMORANDUM

The Central Government has decided to implement the decisions taken on the recommendations made by the Fourth Central Pay Commission relating to revision of scales of pay in respect of the All India Services and the Central Civil Services Group 'A' with effect from the 1st January, 1986.

The Indian Administrative Service (Pay) Rules, 1954 are being amended accordingly with effect from the 1st January, 1986.

It is certified that no member of the Indian Administrative Service is likely to be adversely affected by this Notification being given retrospective effect.



Note : The Principal Rules were published vide Gazette No. 158 dated 14-9-1954 and were subsequently amended vide the following notifications—

Sl. No.	G.S.R. No.	Date	Sl. No.	G.S.R. No.	Date
1.	22	12-1-1974	45	26—L	17-1-1976
2.	51—E	26-2-1974	46	61—E	31-1-1976
3.	52—E	28-2-1974	47.	197	14-2-1976
4.	272	16-3-197	48	73—E	10-2-1976
5.	186—E	25-4-1914	49.	234—E	17-3-1976
6.	664	29-6-1974	50	236—L	17-3-1976
7.	725	13-7-1975	51	287—E	6-4-1976
8.	778	27-7-1974	52.	603	1-5-1976
9.	374—E	26-8-1974	53.	330—E	11-5-1976
10.	376—E	26-8-1974	54.	900	26-6-1976
11.	378—E	26-8-1974	55.	417—E	22-6-1976
12.	976	14-9-1974	56.	425—L	25-6-1976
13.	979	14-9-1974	57.	991	10-7-1976
14.	1013	21-9-1974	58.	405—E	16-6-1976
15.	1066	5-10-1974	59.	466—E	23-7-1976
16.	427—E	16-10-1974	60.	1157	7-8-1976
17.	430—E	17-10-1974	61.	783—E	31-8-1976
18.	1202	16-11-1974	62.	789—E	7-9-1976
19.	467—E	15-11-1974	63.	1368	25-9-1976
20.	468—E	15-11-1974	64.	822—E	31-8-1976
21.	469—E	15-11-1974	65.	849—E	15-10-1976
22.	1260	30-11-1974	66.	859—E	1-11-1976
23.	1300	7-12-1974	67.	947—E	24-12-1976
24.	1348	21-12-1974	68.	954—E	27-12-1976
25.	92	25-1-1975	69.	125	29-1-1977
26.	176	8-2-1975	70.	45—L	28-1-1977
27.	48	18-1-1975	71.	52—E	1-8-1977
28.	309	8-3-1975	72.	437	2-4-1977
29.	185—E	2-4-1945	73.	868	9-7-1977
30.	281—E	16-5-1975	74.	531—E	19-7-1977
31.	278—E	13-5-1975	75.	545—E	29-7-1977
32.	293—E	23-5-1975	76.	549—E	3-8-1944
33.	296—E	26-5-1975	77.	589—E	23-8-1977
34.	305—E	28-5-1945	78.	1286	1-10-1944
35.	752	21-6-1975	79.	655—E	28-10-1977
36.	345—E	25-6-1975	80.	45	14-1-1978
37.	433—E	30-7-1975	81.	5—E	4-1-1978
38.	458—E	22-8-1975	82.	215	11-2-1978
39.	472—E	29-8-1975	83.	952	29-7-1978
40.	2661	15-11-1975	84.	586	6-3-1978
41.	2557	25-10-1975	85.	666	27-5-1978
42.	1	3-1-1976	86.	923	22-7-1978
43.	8—E	1-1-1976	87.	1127	16-9-1978
44.	74	17-1-1976	88.	1236	14-10-1978



Sl. No.	G.S.R. No.	Date	Sl. No.	G.S.R. No.	Date
89.	1281	28-10-1978	136.	420	8-5-1982
90.	1278	28-10-1978	137.	510	5-6-1982
94.	1326	11-11-1978	138.	610	17-7-1982
92.	575—E	8-12-1978	139.	617	24-7-1982
93.	139	3-2-1979	140.	619	24-7-1982
94.	472	31-3-1979	141.	777	18-9-1982
95.	620	28-4-1979	142.	619—E	20-10-1982
96.	291—E	10-5-1979	143.	631—E	29-10-1982
97.	290—E	10-5-1979	144.	933	20-11-1982
98.	771	9-6-1979	145.	958	4-12-1982
99.	812	16-6-1979	146.	764—E	18-12-1982
100.	1038	11-8-1979	147.	18—E	10-1-1983
101.	1016	4-8-1979	148.	204	12-3-1983
102.	591—E	24-10-1979	149.	333	15-4-1983
103.	1372	17-11-1979	150.	447—E	24-5-1983
104.	650—E	27-11-1979	151.	508	16-7-1983
105.	629—E	17-11-1979	152.	832	10-12-1983
106.	597—E	30-10-1979	153.	899—E	20-12-1983
107.	77	26-1-1980	154.	901—E	20-12-1983
108.	24—E	30-1-1980	155.	918—E	24-12-1983
109.	159	9-2-1980	156.	35	21-1-1984
110.	220—E	21-4-1980	157.	400	21-4-1984
111.	222—E	21-4-1980	158.	477	19-5-1984
112.	288—F	5-6-1980	159.	1056	13-10-1984
113.	290—F	5-6-1980	160.	1240	15-12-1984
114.	447—F	24-7-1980	161.	49	19-1-1985
115.	770	26-7-1980	162.	107	2-2-1985
116.	952	20-9-1980	163.	250	9-3-1985
117.	530—E	8-9-1980	164.	639	6-7-1985
118.	523—E	8-9-1980	165.	637	6-7-1985
119.	572—E	7-10-1980	166.	569—E	15-7-1986
120.	120	8-11-1980	167.	708	3-2-1986
121.	701—E	17-12-1980	168.	792	24-8-1986
122.	703—E	17-12-1980	169.	919	5-10-1985
123.	47—E	5-2-1981	170.	1141	14-12-1985
124.	230	28-2-1981	171.	884—E	4-12-1986
125.	295	21-3-1981	172.	38	18-1-1986
126.	293—E	15-4-1981	173.	98	8-2-1986
127.	295—E	15-4-1981	174.	218	22-3-1986
128.	529	6-6-1981	175.	226	29-3-1986
129.	489	23-5-1981	176.	378	31-5-1986
130.	615	4-2-1981	177.	766	20-9-1986
131.	640	11-7-1981	178.	885	18-10-1986
132.	809	5-9-1981	179.	1068	13-12-1986
133.	926	19-10-1981	180.	22	10-1-1987
134.	945	24-10-1981	181.	90	14-2-1987
135.	422	8-5-1982			

सा. का. वि. 285(ब) :— केन्द्रीय सरकार, अखिल भारतीय सेवा अधिनियम 1951 (1951 का 61) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए संबंधित राज्यों की सरकारों से परामर्श करने के पश्चात् भारतीय पुलिस सेवा (वैतन) नियम, 1954 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् —

1 (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम भारतीय पुलिस सेवा (वैतन) तीसरा संशोधन नियम, 1987 है।

(2) ये 1 जनवरी, 1986 को प्रवृत्त समझे जाएंगे।

2. भारतीय पुलिस सेवा (वैतन) नियम, 1954 में (जिन्हें हमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है),

(क) नियम 3 के उपनियम (i) के स्थान पर, निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(1) सेवा के सदस्य को अनुज्ञेय काल वेतनमान और वे तारीखें, जिनको उक्त काल वेतनमान प्रवृत्त समझे जाएंगे, निम्नलिखित होंगे —

कनिष्ठ वेतनमान : 2200-75-2800-द. री -100-4000 रु. 1 जनवरी, 1986 से।

व्योष्ठ वेतनमान

(क) काल वेतनमान : 3000 (6 वर्ष या उससे कम) 100-3500-125-4500 रु. 1 जनवरी, 1986 से

(ख) कनिष्ठ प्रशासनिक श्रेणी : 3700-125-4700-150-5000 रु. 1 जनवरी, 1986 से

परन्तु भारतीय पुलिस सेवा (भर्ती) नियम, 1954 के नियम 6क के उपनियम 2 के उपबंधों के अनुसार, सेवा का कोई सदस्य सेवा के अपने 4 वर्ष पूरा करने पर व्योष्ठ वेतनमान में और सेवा के 9 वर्ष पूरा करने पर कनिष्ठ प्रशासनिक श्रेष्ठ में नियुक्त किया जाएगा।

टिप्पण : इस नियम में 4 वर्षों और 9 वर्षों के सेवा की गणना, भारतीय पुलिस सेवा (व्योष्ठता विनियमन नियम, 1954 के विनियम 3 के अधीन उसे प्रदत्त प्रावर्तित वर्ष से की जाएगी।)

चयन श्रेणी : 4500-150-5700 रु. 1 जनवरी, 1986 से

अतिक्रम वेतनमान :

उ.म.नि. — 5100-150-5400 (18 वर्ष या पश्चात्) 150-6150 रु. 1 जनवरी, 1986 से

म.नि. — 5900-200-6700 रु. 1 जनवरी, 1986 से

अतिक्रम वेतनमान से अधिक वेतनमान :

म.नि.दे. — 7300-100-7600/7600-100-8000 1 जनवरी, 1986 से

परन्तु यह कि सेवा का सदस्य उस तारीख तक विद्यमान वेतन में वेतन लेना बनाए रखने के लिए निर्वाचन कर सकेगा जिसको वह विद्यमान वेतनमान में भ्रमणी या कोई पश्चात्पूर्वी वेतनवृद्धि उपाजित करता है या जब तक कि वह पद रिक्त करता है या उस वेतनमान में वेतन लेना हट्टा नहीं रहता है। विकल्प का प्रयोग ऐसे अवसरों के अनुसार, जो केन्द्रीय सरकार इस निमित्त नियमों के अधीन जारी कर संकेती किया जाएगा।

स्पष्टीकरण 1 : इस नियम के परन्तुक के अधीन विद्यमान वेतन प्रतिधारित करने का विकल्प केवल एक विद्यमान वेतनमान से बाबत अनुज्ञेय होगा।

स्पष्टीकरण 2 उपर्युक्त विकल्प 1 जनवरी, 1986 की तात्पश्चात् सेवा में नियुक्त किसी व्यक्ति को अनुज्ञेय नहीं होगा जो उसे वेतन के पुनरीक्षित वेतनमान में दिया जाएगा।

स्पष्टीकरण 3 जहाँ सेवा का सदस्य नियमित आशय पर स्थापित हैमियत में अपने द्वारा धारित किसी पद की बाबत उस वेतनमान से वेतन के विनियमन के प्रयोजन के लिए इस नियम के परन्तुक के अधीन विद्यमान वेतनमान प्रतिधारित करने के विकल्प का प्रयोग करता है, वहाँ उसका अधिष्ठाई वेतनमान वह होगा जो वह तब लेता जब उससे उस स्थायी पद पर विद्यमान वेतनमान प्रतिधारित किया होता जिस पर वह धारणाधिकार धारित करता है या धारणाधिकार धारित करता, या उसका धारणाधिकार निवृत्त न किया गया होता या उस स्थापित पद का वेतन, जिसने तत्समय प्रवृत्त किसी आदेश के अनुसार अधिष्ठाई वेतन की हैमियत धारित कर ली है, जा भी अधिक हो।

(2) उा नियम (2) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा अर्थात् :

(2) (1) सेवा का सदस्य चयन श्रेणी में वेतन लेने का हकदार उम श्रेणी में नियुक्ति पर ही होगा।

(ii) चयन श्रेणी में नियुक्ति होने पर कनिष्ठ प्रशासनिक श्रेष्ठ में सेवा के सदस्य का वेतन (क) उस स्तर पर जो उसके कनिष्ठ प्रशासनिक श्रेष्ठ में उसके वेतन के बराबर हो अथवा यदि ऐसा कोई स्तर नहीं है तो उसके वेतन में भावी वृद्धि में समाहित किए जाने वाले अन्तर की राशि के बराबर वैयक्तिक वेतन सहित उस वेतन के नीचे के स्तर पर अथवा (ख) चयन श्रेणी के न्यूनतम वेतन पर इनमें से जो भी अधिक हो, निर्धारित किया जाएगा।

(iii) चयन श्रेणी में भ्रमणी वेतनवृद्धि उम श्रेणी में अपेक्षित अर्हता सेवा करने के पश्चात् प्रविष्ट होगी।

परन्तु यह कि वित्तीय प्रमाणपत्र पर से अन्यथा ली गई प्रसाधारण छुट्टी के सिवाय पूरी छुट्टी की चयन श्रेणी में वेतन वृद्धि के लिए गणना की जाएगी

परन्तु यह और कि केन्द्रीय सरकार किसी भी मामले में जिसमें उसका यह समाधान हो जाता है कि असाधारण छुट्टी सेवा के सदस्य के नियंत्रण के पने किसी कारण के लिए या उच्च वैयक्तिक या तकनीकी अध्ययन के लिए ली गई थी, यह निर्देश दे सकेगी कि ऐसी असाधारण छुट्टी की गणना इस उपनियम के अधीन वेतनवृद्धि के लिए की जाएगी।

(3) उपनियम (3) के स्थान पर, निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(3) सेवा के ऐसे सदस्य का आर्थिक वेतन, जो इन नियमों के अनुसार यथास्थिति, 1 जनवरी, 1986 से ही या पश्चात्पूर्वी तारीख में पुनरीक्षित वेतनमान द्वारा शासित होने का निर्वाचन करता है या यह समझा जाए कि उन्होंने ऐसा निर्वाचन किया है अधिष्ठाई या स्थापित हैमियत में लिए गए उनके वेतन की बाबत पृथक् रूप में उस तारीख से निम्नलिखित रीति में पुनः नियत किया जाएगा :

(1) 75 रु० के न्यूनतम के अधीन रहते हुए विद्यमान वेतनमान में मूल वेतन का 20 प्रतिशत वृद्धि करने का वह स्तर सेवा के सदस्य की विद्यमान उच्चधियों में जोड़ी जाएगी।

(2) विद्यमान उपलब्धियां इस प्रकार बढ़ाई जाने के पश्चात्, वेतन इस प्रकार संगठित रकम में अपने ऊपर के पक्ष पर, निर्धारित किया जाएगा :

परन्तु यह कि यदि इस प्रकार संगणित रकम पुनरीक्षित वेतनमान के न्यूनतम से कम है, तो वेतन उस वेतनमान के न्यूनतम पर नियत किया जाएगा :

परन्तु यह और कि यदि इस प्रकार संगणित रकम पुनरीक्षित वेतनमान के अधिकतम से अधिक है, तो वेतन उस वेतनमान के अधिकतम पर नियत किया जाएगा ।

स्पष्टीकरण : इस उपनियम के प्रयोजन के लिए "विद्यमान उपलब्धियों" का अर्थ निम्नलिखित भागों में —

- (क) विद्यमान वेतनमान में मूल वेतन;
  - (ख) मंहगाई वेतन, अतिरिक्त मंहगाई भत्ता और औसत सूचकांक 608 (1960-100) पर अनुज्ञेय तथ्य मंहगाई भत्ता, जो मूल वेतन के समुचित है; और
  - (ग) विद्यमान वेतनमान में मूल वेतन पर अनुज्ञेय अंतःकालीन अनुतोष की पहली और दूसरी किण्व की रकम;
- (3) सेवा के ऐसे सदस्यों के मामले जिन्हें विद्यमान वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त विशेष वेतन मिल रहा है और जिनके मामले में पुनरीक्षित वेतनमान के साथ विशेष वेतन उसी दर पर या किसी भिन्न दर पर जारी रहता है, पुनरीक्षित वेतनमान में वेतन उसके स्पष्टीकरण के अनुसार संगणित विद्यमान उपलब्धियों के प्रति निर्देश से विद्यमान विशेष वेतन और मंहगाई वेतन और मंहगाई भत्ता और तथ्य मंहगाई भत्तों के प्रति निर्देश से उस पर अनुज्ञेय रकम को प्रयोजित करके इस उपनियम के उपबंधों के अनुसार नियत किया जाएगा और ऐसे मामलों में नई दर पर विशेष वेतन पुनरीक्षित वेतनमान में इस प्रकार नियत किए गए वेतन के अतिरिक्त लिया जाएगा ।

टिप्पण 1 : जहां सेवा का सदस्य कोई स्थाई पद धारित कर रहा हो और नियमित आधार पर किसी उच्च पद पर स्थानापन्न हो और इन दोनों पदों को लागू वेतनमानों का एक वेतनमान में विलय हो जाता है तो वेतन स्थानापन्न पद के प्रति निर्देश से ही इस उपनियम के अधीन नियत किया जाएगा और इस प्रकार निरत किए गए वेतन को अधिष्ठाई वेतन माना जाएगा ।

टिप्पण 2 : जहां इस उपनियम के अनुसार संगणित विद्यमान उपलब्धियां सेवा के किसी सदस्य की वृद्धि में पुनरीक्षित उपलब्धियों से अधिक हैं तो अंतर, वेतन में अविष्य की वृद्धियों में आवेदन होने वाले वैयक्तिक वेतन के रूप में अनुज्ञेय किया जाएगा ।

टिप्पण 3 : जहां इस उपनियम के अधीन वेतन नियत करने में विद्यमान वेतनमान में 5 क्रमवर्ती प्रक्रमों पर वेतन लेने वाले सेवा के सदस्यों का वेतन समराशि हो जाता है, अर्थात् पुनरीक्षित वेतनमान में उसी प्रक्रम पर नियत हो जाता है, तो ऐसे सेवा के सदस्यों के जो विद्यमान वेतनमान में प्रथम 5 क्रमवर्ती प्रक्रमों के पद वेतन ले रहे हैं, पुनरीक्षित वेतनमान में वेतन उस प्रक्रम तक, जहां ऐसी समरूपता राशि बटित होती है, पुनरीक्षित वेतनमान में वेतनवृद्धियों के अनुसार में निम्नलिखित रीति में बढ़ाया जाएगा, अर्थात्—

- (क) विद्यमान वेतनमान में छठवें से दसवें प्रक्रम तक वेतन लेने वाले सेवा के सदस्यों के लिए—एक वेतन वृद्धि द्वारा;
- (ख) विद्यमान वेतनमान से 11वें से पंद्रहवें प्रक्रम तक वेतन लेने वाले सेवा के सदस्यों के लिए यदि दसवें प्रक्रम के पर समरूपता राशि—दो वेतनवृद्धियों द्वारा;

यदि उपर्युक्त वेतन बढ़ाने से सेवा के सदस्य का वेतन पुनरीक्षित वेतनमान में उस प्रक्रम पर नियत हो जाता है जो पुनरीक्षित वेतनमान में उस प्रक्रम से उच्चतर है जिस पर किसी अधिकारी का वेतन जा

उसी विद्यमान वेतनमान में अगले उच्चतर प्रक्रम या प्रक्रमों पर वेतन ले रहा था, नियत किया जाता है, तो पंचान्न कथित का वेतन जो 11 सीमा तक बढ़ाया जाएगा जिस तक कि वह पूर्व कथित के वेतन से कम है ।

टिप्पण 4 : जहां इस उपनियम के अधीन वेतन के नियत में सेवा के सदस्य का वेतन जो विद्यमान वेतनमान में 1 जनवरी, 1986 के ठीक पूर्व उसी काष्ठर में उसके कनिष्ठ सेवा के सदस्य से अधिक वेतन ले रहा था, पुनरीक्षित वेतनमान में ऐसे कनिष्ठ अधिकारी से निम्नतर प्रक्रम पर नियत हो जाता है, तो उसका वेतन पुनरीक्षित वेतनमान में उसी प्रक्रम पर कनिष्ठ के जैसा ले बढ़ाया जाएगा ।

टिप्पण 5 : जहां सेवा के सदस्य को 1 जनवरी, 1986 को ऐसा वैयक्तिक वेतन मिल रहा है जो इस उपनियम के अनुसार संगणित उसकी विद्यमान उपलब्धियों से मिलकर पुनरीक्षित उपलब्धियों से अधिक हो जाता है वहां ऐसे अधिकार का वारंटि करी जाते और सेवा के सदस्य को वेतन में अविष्य की वृद्धियों में आवेदन होने वाले वैयक्तिक वेतन के रूप में अनुज्ञेय किया जाएगा ।

टिप्पण 6 : ऐसे मामलों में जहां सेवा का ज्येष्ठ सदस्य 1 जनवरी, 1986 से पूर्व उच्च पद पर प्रोन्नत होने पर पुनरीक्षित वेतनमान में अपने उस ज्येष्ठ से कम वेतन लेता है जिसे उच्च पद पर 1 जनवरी, 1986 से या उसके पंचान्न प्रोन्नत किया गया है तो सेवा के ज्येष्ठ सदस्य का वेतन उस उच्चतर पद पर उसके कनिष्ठ के लिए नियत वेतन के बराबर रकम तक बढ़ा दिया जाना चाहिए । ऐसी सेवा के कनिष्ठ सदस्य की प्रोन्नत की तारीख से निम्नलिखित शर्तों को पूरा करने के अध्वधीन रहते हुए दिया जाना चाहिए, अर्थात्—

- (क) सेवा के कनिष्ठ और ज्येष्ठ सदस्य दोनों का संबंध एक ही काष्ठर से होना चाहिए और वे पद जिस पर उनकी प्रोन्नति हुई है उसी काष्ठर में समान होना चाहिए;
- (ख) उन निम्न और उच्च पदों के पूर्व पुनरीक्षित और पुनरीक्षित वेतनमान, जिनमें वे वेतन लेने के हकदार हैं, समान होने चाहिए; और
- (ग) विषमता प्रवृत्त : इस उपनियम के उपबंधों के लागू होने के परिणामस्वरूप होती चाहिए यदि निम्न पर पर भी, कनिष्ठ अधिकारी पूर्व पुनरीक्षित वेतनमान में उसे अनुसृत अग्रिम वेतनवृद्धियों के फलस्वरूप, अपने ज्येष्ठ अधिकारी से अधिक वेतन ले रहा था तो ज्येष्ठ अधिकारी का वेतन बढ़ाने के लिए इस टिप्पण के उपबंधों को लागू करने की आवश्यकता नहीं है ।

3. उक्त नियमावली के नियम 4 में,

- (i) उपनियम (2) के स्थान पर निम्नलिखित प्रस्थापित किया जाएगा अर्थात्—

"बटित समय वेतनमान के किसी पद पर सेवा के किसी सदस्य की नियुक्ति पर कनिष्ठ वेतनमान में वेतन जिस स्तर पर ऐसा वेतनमान बनता था उसमें एक वेतन वृद्धि देकर (अथवा निम्न स्तर में अग्रिम वेतन वृद्धि के बराबर राशि देकर यदि वह कनिष्ठ वेतनमान में अधिकतम वेतन पर रहा था) कनिष्ठ वेतनमान में उसके वेतनमान को बढ़ाकर काव्यनिक रूप में जो वेतन बनता है उसमें अगले स्तर पर अथवा ज्येष्ठ काल वेतनमान के अधिकतम पर, इनमें से जो भी अधिक हो, नियत किया जाएगा।"

(ii) उप-नियम 5(क) के बाद निम्नलिखित नियमों को अन्तःस्थापित किया जाएगा अर्थात्—

(5ख) कनिष्ठ प्रशासनिक वेतनमान में नियुक्ति पर सेवा के सदस्य के वेतन वरिष्ठ काल वेतनमान में (क) वेतन के उस स्तर पर जो वरिष्ठ काल वेतनमान में उसके वेतन के बराबर हो अथवा यदि ऐसा कोई स्तर विद्यमान नहीं है तो ऐसी स्थिति में उसका वेतन उमंग वेतन में भार्यी वृद्धि में समाहित किए जाने वाले अन्तर की राशि के बराबर वैयक्तिक वेतन मन्त्रित उस वेतन के नीचे के स्तर पर अथवा (ख) कनिष्ठ प्रशासनिक वेतनमान के न्यूनतम पर इनमें से जो भी अधिक हो, निर्धारित किया जायेगा।

(5ग) अधिकांश वेतनमान में नियुक्ति होने पर सेवा के किसी सदस्य का चयन श्रेणी में वेतन उसी तरीके से निर्धारित किया जाएगा जैसा कि उपयुक्त उपनियम (2) में उल्लेख किया गया है।

(4) उक्त नियमों के नियम 5 में—

(i) उप नियम (2) के स्थान पर, निम्नलिखित उपनियम रखा जायेगा, अर्थात्—

“(2) भारतीय पुलिस सेवा (भर्ती) नियमावली, 1954 के नियम 7 के अन्तर्गत भर्ती किए गए सेवा के किसी सदस्य के मामले में कनिष्ठ वेतनमान तथा ज्येष्ठ काल वेतनमान और कनिष्ठ प्रशासनिक वेतनमान में वेतन वृद्धि कनिष्ठ वेतनमान, ज्येष्ठ काल वेतनमान अथवा कनिष्ठ प्रशासनिक वेतनमान, जैसा भी मामला हो, में एक वर्ष की सेवा पूरी करने के बाद, उप नियम (3क) के उपबंधों के अध्वर्धन प्राप्त होगी।

(ii) उपनियम (3क) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम और परन्तुक रखे जाएंगे, अर्थात्—

“(3क) सेवा के ऐसे सदस्य की जिसका वेतन नियम 3 के उपनियम (3) के अधीन नियत किया गया है अगली वेतनवृद्धि उस तारीख को प्रोद्भूत होगी जिसकी वह उस काल वेतनमान में जो 1 जनवरी, 1986 में ठीक पूर्व उसे लागू था उसे प्रोद्भूत हुई होती :

परन्तु उन मामलों में जहाँ सेवा के सदस्य का वेतन बढ़ाया जाता है वहाँ अगली वेतनवृद्धि पुनरीक्षित वेतनमान में वेतन को वृद्धाए जाने की तारीख से 12 मास की अर्हित सेवा के पूरे होने पर अनुदान की जाएगी :

परन्तु यह और कि पूर्ववर्ती परन्तुक के अन्तर्गत आने वाले मामलों में सेवा के उस सदस्य की अगली वेतनवृद्धि जिसका वेतन 1 जनवरी, 1986 का उसी प्रकार पर निश्चय किया जाता है जिस पर कि उसी काबर में उससे कनिष्ठ अन्य अधिकारी का जो विद्यमान वेतनमान में उसके प्रक्रम से नीचे वेतन में रहा है, नियत किया गया है उसी तारीख को अनुदान की जाएगी जो उसके कनिष्ठ को अनुभूत है यदि कनिष्ठ की वेतन-वृद्धि की तारीख पूर्व में आती है :

परन्तु यह और कि ऐसे व्यक्तियों के मामले में, जो 1 जनवरी, 1986 को एक वर्ष से अधिक से इस विद्यमान वेतनमान का अधिकतम ले रहे थे पुनरीक्षित वेतनमान में वृद्धि 1 जनवरी, 1986 से दी जाएगी।

टिप्पण 1:—जहाँ वेतनउक्त परन्तुकी के निबन्धनों के अनुसार नियत किया गया है वहाँ वस्तुतः रोध, इस बात को विचार में लाए बिना कि सेवा के किसी सदस्य ने विद्यमान वेतनमान में वृद्धता रोध पार किया था या नहीं या उस पर रका हुआ था, पुनरीक्षित वेतनमान में ऐसे रोधों के प्रति निर्देश से ही प्रवृत्त होगा।

टिप्पण 2:—जहाँ अधिष्ठाई पद को लागू पुनरीक्षित वेतनमान में तीसरे परन्तुक के निबन्धनों के अनुसार दी प्रतिरिक्त वेतन-वृद्धियाँ देने के कारण सेवा के सदस्य का अधिष्ठाई वेतन किसी समय उसके स्थानापन्न वेतन से अधिक हो जाता है तो सेवा के सदस्य को स्थानापन्न वेतन के प्रतिरिक्त स्थानापन्न वेतन और अधिष्ठाई वेतन के बीच का अन्तर, वेतन में भविष्य की वृद्धियों में शामिल होने वाले वैयक्तिक वेतन रूप में उस अवधि दौरान, जिस में अधिष्ठाई वेतन स्थानापन्न वेतन से अधिक हो, अनुभूत किया जा सकेगा।

(5) उक्त नियमों के नियम 5 के पश्चात्, निम्नलिखित नियम अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्—

“5 क वृद्धिरोध-वेतनवृद्धि, कनिष्ठ वेतनमान ज्येष्ठ वेतनमान: 1 कनिष्ठ प्रशासनिक श्रेणी 1 चयन श्रेणी 1 अधिकांश वेतनमान में वेतन लेने वाला सेवा का सदस्य उस वेतनमान के अधिकतम पर पहुँचने के पश्चात् प्रत्येक 2 सेवा वर्षों के लिए एक वेतनवृद्धि का पात्र होगा किन्तु ऐसी वेतन वृद्धियाँ तीन से अधिक नहीं मिलेंगी।

टिप्पण:—वृद्धि रोध वेतनवृद्धियाँ वैयक्तिक वेतन की प्रकृति की होगी और उन्हें इस नियमों के अधीन उच्च पद पर प्रोन्नति होने पर वेतन नियंत्रण के या वेतन धन विशेष की अभिवृद्धि सीमा लागू करने के प्रयोजन लिए हिसाब में नहीं लिया जाएगा।

(6) उक्त नियमों में अनुसूची 1 को विलोपित किया जाएगा।

(7) उक्त नियमों की अनुसूची 2 में खंड (i), (ii), (iii), और (iv) में आने वाले जनवरी, 1973 का प्रथम दिन शब्दी और संकों के स्थान पर, 1 जनवरी, 1986 अंक और शब्द रखे जाएंगे,

(ii) कृष्णास्तों के स्थान पर, निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्:— इस अनुभाग के खंड (i) के अधीन प्रोन्नति अधिकारी का वेतन नियत करने में अनुसरण की जाने वाली पद्धति नीचे दी गई है :

(क) अधिकारी का यथास्थिति राज्य पुलिस सेवा में वास्तविक वेतन या उस सेवा में कल्पित वेतन,

(ख) राज्य पुलिस सेवा से सेवा के संपूर्ण वर्ष,

(ग) भारतीय पुलिस सेवा ज्येष्ठ काल वेतनमान में वेतनवृद्धियों की संख्या, जिनकी संगणना, राज्य पुलिस सेवा के प्रत्येक 3 सेवा वर्षों के लिए एक वेतनवृद्धि की दर से की गई है

	क	ख	ग	घ	ङ
(क) राज्य पुलिस सेवा में वेतन	2450	3250	3900	3500	3700
(ख) राज्य पुलिस सेवा के संपूर्ण वर्ष	7	17	18	6	2
(ग) वेतन वृद्धियों की संख्या	2	5	6	2	1
(घ) वेतन वृद्धियों की रकम	200	500	600	200	100

	क	ख	ग	घ	ङ
(इ.) (क) और (घ) को जोड़ कर निकाला गया वेतन	2650	3750	4500	3700	7800
(ज) वह प्रक्रम, जिस पर वेतन नियत किया जाना चाहिए	3000	3875	4575	3700	7800
(छ) पारिणामिक वृद्धि	350	575	675	200	100
(ज) वृद्धि की वास्तविक रकम जो विनिर्दिष्ट न्यूनतम और अधिकतम के अधीन हो	200	300	300	200	200
(झ) (क) और (ज) को जोड़ कर निकाला गया वेतन	2650	3550	1200	3700	3900
(झ) वह प्रक्रम जिस पर वेतन भारतीय पुलिस सेवा ज्येष्ठ काल वेतनमान में नियत किया जाना चाहिए	3000	3600	4200	3700	3900

11

(क) क एक ऐसा मामला है जिसमें पारिणामिक वृद्धि 300 रुपये की अधिकतम वृद्धि से अधिक हो जाती है और राज्य पुलिस सेवा में वेतन तथा 300 रुपये का योग 3000 रुपये से कम बैठता है। घन वेतन ज्येष्ठ काल वेतनमान के न्यूनतम पर नियत किया गया है।

(ख) ख एक ऐसा मामला है कि जहाँ पारिणामिक वृद्धि 300 रुपये की अधिकतम वृद्धि से अधिक हो जाती है वहाँ वेतन ज्येष्ठ काल वेतनमान के उस प्रक्रम पर नियत किया जाएगा जो राज्य पुलिस सेवा में के वेतन और 300 रुपये के योग के अगले ऊपर के प्रक्रम पर हो।

(ग) एक ऐसा मामला जहाँ पारिणामिक वृद्धि 300 रु. की अधिकतम वृद्धि से अधिक है ऐसी दशा में वेतन उस प्रक्रम पर नियत किया गया है जो राज्य सिविल सेवा वेतन घन 300 रु. के बराबर हो।

(घ) एक ऐसा मामला है जिसमें पारिणामिक वृद्धि 200 रु. है और नियत किया गया वेतन भारतीय पुलिस सेवा ज्येष्ठ काल वेतनमान में एक प्रक्रम का तत्स्थानी है और इस प्रकार वेतन उस प्रक्रम पर नियत किया जाएगा, न कि उससे अगले प्रक्रम पर।

(ङ) एक ऐसा मामला है जिसमें पारिणामिक वृद्धि 200 रु. की न्यूनतम वृद्धि से कम है ऐसी दशा में वेतन ज्येष्ठ काल वेतनमान के उस प्रक्रम पर नियत किया गया है जो राज्य पुलिस सेवा में वेतन घन 200 रु. के बराबर हो।

(8) उक्त नियमों की अनुसूची 3 के शीर्षक "क" के नीचे—ये पद, जिनका वेतन राज्य सरकारों के अधीन भारतीय पुलिस सेवा के काल वेतनमान से अधिक है, "भारतीय पुलिस सेवा (काष्ठ की सदस्य संख्या नियतन) विनियम, 1955 की अनुसूची की मद 1 के अधीन विनिर्दिष्ट ऐसे पदों की संख्या का "50" प्रतिशत प्रविष्टि जो नीचे दी गई सारणी के स्तर 2 के भाग (ख) में दी गई है, 2250-125/2-2500 रु. के वेतनमान वाले स्तर 1 पदों" को निहाल दिया जाएगा और निम्नलिखित प्रविष्टि अंतः स्थापित की जाएगी, अर्थात्—

"स्तंभ 2 में विनिर्दिष्ट महानिदेशक और महानिरीक्षक पद के वेतनमान, जो स्तर 3 में विनिर्दिष्ट 3000 रु. वाले वेतन हैं, जैसा नीचे विनिर्दिष्ट है 7300-7600 या 7600-100-8000 होगा।

(9) उक्त नियमों की अनुसूची (3) (क) में, स्तंभ संख्या (3) में,—

(i) "3000" शब्द के स्थान पर "7600-100-8000" अंक रखे जाएंगे;

(ii) "2500-125/2-2750" अंकों के स्थान पर "5900-200-6700" अंक रखे जाएंगे,

(iii) "2000-125/2-2250" अंकों के स्थान पर 2250-125/2-2500

"5100-150-5400 (अठारहवें वर्ष या पश्चात्) 150-6150" अंक, कोष्टक और शब्द रखे जाएंगे,

(10) उक्त नियमों की अनुसूची 3(ख) के शीर्षक में "ख" राज्य सरकारों के अधीन भारतीय पुलिस सेवा के ज्येष्ठ काल वेतनमान में वेतन वाले पद, जिनके अस्तित्व काल वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त विशेष वेतन वाले पद भी हैं शीर्षक के अधीन, खंड (1) के स्थान पर, निम्नलिखित खंड रखा जाएगा, अर्थात्—

"(1) राज्य के काष्ठ में वयन श्रेणियों के पदों की संख्या, राज्य के ज्येष्ठ पदों की कुल संख्या की जिसमें से उन पदों की संख्या कम कर दी जाएगी जिनका वेतन राज्य में ज्येष्ठ काल वेतनमान से अधिक है, राज्य में ज्येष्ठ पदों के कम से कम 15 प्रतिशत के अधीन रहने हुए, 20 प्रतिशत के बराबर होगी :

परन्तु 1-1-86 से 12-3-87 की अवधि के दौरान उक्त काष्ठ में उस श्रेणी में की गई नियुक्ति के विस्तार तक पदों की संख्या में वृद्धि की जाएगी और जब भी उक्त घेड़ में से किसी अधिकारी की उच्च घेड़ में पदोन्नति की जाती है तो उक्त संख्या तब तक एक-एक करके कम होती जाएगी जब तक कि वह इस उप नियम के मुख्य पैरा में यथानिर्धारित संख्या के बराबर नहीं हो जाती।

(1) उक्त नियमों की अनुसूची 3 में, "राज्य सरकारों के अधीन ख पदों में भारतीय पुलिस सेवा के ज्येष्ठ काल वेतनमान में वेतन जिसमें काल वेतनमान से के वेतन के अतिरिक्त विशेष वेतन वाले पद भी सम्मिलित हैं शीर्षक के नीचे खंड (3) के स्थान पर निम्नलिखित खंड रखा जाएगा, अर्थात्—

"(3) किसी ऐसे विशेष वेतन की रकम जो राज्य सरकार द्वारा खंड 2 के अधीन संजूर की जाए, 200, 300, और 400 रुपये होगी जो समय-समय पर संबंधित राज्य सरकार द्वारा अवधारित की जाए

परन्तु वेतन घन विशेष वेतन उस पद के वेतनमान से अधिकतम से अधिक नहीं होगा जिसके साथ विशेष वेतन संबद्ध है।"



(ii) अनुसूची 3-अ के स्थान पर निम्नलिखित अनुसूची रखी जाएगी, अर्थात् :—

## अनुसूची-3

(ग) केन्द्रीय सरकार के प्रथम काल वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त काल वेतनमान या विशेष वेतन के उपर वेतन वाले रद्द, जस सेवा के सदस्य द्वारा धारित हैं।

क्र.सं.	कार्यालय या संघ राज्य क्षेत्र	पद की विशेषितियाँ	वेतन/वेतनमान	विशेष वेतन
1	2	3	4	5
			रु.	रु.
1.	आम सूचना ब्यूरो	निदेशक	8000	—
		अपर निदेशक	7300-100-7600	—
		संयुक्त-निदेशक	5900-200-6700	—
		उप निदेशक	5100-150-5400 ( 18वें वर्ष या बाद में )	150-6150 400
		सहायक निदेशक	ज्येष्ठ वेतनमान/चयन श्रेणी	500
		केन्द्रीय आसूचना अधिकारी	ज्येष्ठ वेतनमान/चयन श्रेणी	500
		संयुक्त सहायक निदेशक	ज्येष्ठ वेतनमान	400
		केन्द्रीय उप आसूचना अधिकारी	कनिष्ठ वेतनमान	200
2.	केन्द्रीय प्रन्वेषण ब्यूरो	निदेशक	8000	—
		अपर निदेशक	7300-100-7600	—
		संयुक्त निदेशक (के. प्र. ब्यू. और विशेष पुलिस महानिरीक्षक, वि. पु. स्था.)	5900-200-6700	—
		पुलिस उप महानिरीक्षक	5100-150-5400 ( 18वें वर्ष या बाद में )	150-6150 400
		उपनिदेशक	5100-150-5400 ( 18वें वर्ष या बाद में )	150-6150 400
		पुलिस सहायक महानिरीक्षक, के. प्र. ब्यू. उन स्थानीय शाखाओं में ज्येष्ठ पुलिस अधीक्षक, जहाँ उन केन्द्रीय यूनियों में से एक में, जिसकी प्रमुख भारतीय अधिकारिता है, नैनन्त एक से अधिक एम पी/एस. पी. हैं। उन से भिन्न सभी पुलिस अधीक्षक जो ऊपर निर्दिष्ट किए गए हैं।	ज्येष्ठ काल वेतनमान या चयन श्रेणी	400
3.	सरदार वल्लभ भाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी	निदेशक	7600	—
		उप निदेशक	5100-150-5400 ( 18वें वर्ष या बाद में )	150-6150 400
		सहायक निदेशक	ज्येष्ठ वेतनमान	500
4.	सीमा सुरक्षा बल	महानिदेशक	8000-	—
		महानिरीक्षक	5900-200-6700	—
		उप महानिरीक्षक/उप निदेशक	5100-150-5400 ( 18वें वर्ष या बाद में )	150-6150 400
5.	केन्द्रीय आर्गनाइज्ड पुलिस बल	महानिदेशक	8000	—
		महानिरीक्षक/उपनिदेशक/कमांडेंट	5100-150-5400 ( 18वें वर्ष या बाद में )	150-6150 400
		सहायक निदेशक	ज्येष्ठ वेतनमान	500
6.	भारत लिम्बत सीमा पुलिस	महानिदेशक	7600	—
		उप महानिरीक्षक	5100-150-5400 ( 18वें वर्ष या बाद में )	150-6150 400
7.	केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल	महानिदेशक	7600	—
		महानिरीक्षक	5900-200-6700	—
		उप महानिरीक्षक	5100-150-5400 ( 18वें वर्ष या बाद में )	150-6150 400

1	2	3	4	5
			रु.	रु.
8. पुलिस अनुसंधान और विकास ब्यूरो	महानिदेशक	7600		--
	निदेशक (प्रशिक्षण)	5900-200-6700		--
	निदेशक (अनुसंधान और विकास)	5900-200-6700		--
	उप निदेशक	5100-150-5400 (18वें वर्ष या बाद में)- 150-6150		400
	सहायक निदेशक	ज्येष्ठ वेतनमान/न्यून श्रेणी		500
	प्रधानाचार्य, केन्द्रीय गुप्तचर प्रशिक्षण विद्यालय कलकत्ता, हैदराबाद और चण्डीगढ़।	ज्येष्ठ वेतनमान/न्यून श्रेणी		500
	उप प्रधानाचार्य, केन्द्रीय गुप्तचर प्रशिक्षण विद्यालय कलकत्ता, हैदराबाद और चण्डीगढ़	ज्येष्ठ वेतनमान		400
9. पुलिस कम्प्यूटर समन्वय निदेशालय	निदेशक	5100-150-5400 (18वें वर्ष या बाद में)- 150-6150		400
	सहायक निदेशक	ज्येष्ठ वेतनमान		500
10. राष्ट्रीय सुरक्षा	महानिदेशक	7600		--
11. राष्ट्रीय अपराध अनुसंधान ब्यूरो	निदेशक	5900-6700		--
12. रेल	महानिदेशक, रे. सं. ब.	7600		--
	महानिरीक्षक और मुख्य सुरक्षा अधिकारी	5900-200-6700		--
	उप महानिरीक्षक रे. सं. ब. और अपर निदेशक	5100-150-5400 (18वें वर्ष या बाद में)-		400
	सुरक्षा/मुख्य सुरक्षा अधिकारी	150-6150		
	सहायक महानिरीक्षक और उप-निदेशक/सुरक्षा	न्यून श्रेणी		400

टिप्पण: स्तम्भ 5 में सभी विशेष वेतन इस शर्त के अधीन होंगे कि वेतन धम विशेष वेतन उस पद के वेतनमान के अधिकतम से अधिक नहीं होगा, जिससे विशेष वेतन संलग्न है।

(12) अनुसूची 3 (घ) में,—

(1) 3500 रु., 3000 रु., "2500-125/2-2700 रु." श्रेणियों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्—  
8000 रु., 7300-100-7600 और 5900-200-6700 रु.

(2) क्रमशः ज्येष्ठ वेतनमान या न्यून श्रेणी और कनिष्ठ वेतनमान/ज्येष्ठ वेतनमान श्रेणियों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्—

कनिष्ठ प्रशासनिक श्रेणी या न्यून श्रेणी और कनिष्ठ वेतनमान/ज्येष्ठ वेतनमान/कनिष्ठ प्रशासनिक श्रेणी;

(3) 300 रु. और 200 रु. श्रेणियों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्—  
"500 रु. और 400 रु."

(4) परन्तु वेतन धम विशेष वेतन, उस वेतनमान के अधिकतम से अधिक नहीं होगा, जिसके साथ विशेष वेतन संबद्ध है।

(13) नियम 8-ग में, 2000-125/2/2250 रु., 300 रु. और 2450 रु. श्रेणियों और गण्ड के स्थान पर जहाँ जहाँ वे आते हैं क्रमशः 4500-150-5700 रु., 500 रु. और 5700 रु. श्रेणियाँ रखी जाएंगी।

स्पष्टीकारक स्तम्भ

केन्द्रीय सरकार ने प्रचलित भारतीय सेवा और केन्द्रीय निविदा सेवा समूह "क" से संबन्धित वेतनमानों के पुनरीक्षण संबंधी चौथे केन्द्रीय वेतन आयोग द्वारा की गई सिफारिशों पर किए गए विनिश्चय को 1 जनवरी, 1986 से कार्यान्वित करने का विनिश्चय किया है।

भारतीय पुलिस सेवा (वेतन) नियम, 1954 तदनुसार 1 जनवरी, 1986 से संशोधित किए जा रहे हैं।

यह प्रमाणित किया जाता है कि भारतीय पुलिस सेवा के किसी सदस्य पर इस अधिसूचना की भूतलक्षी रूप से प्रभावी करने से प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना नहीं है।

टिप्पण: मूल नियम राजपत्र सं. 158, तारीख 14-9-1964 भाग 1, खंड (1) (प्रसाधारण) के अधीन प्रकाशित किए गए थे और तत्पश्चात् उनका निम्नलिखित अधिसूचनाओं द्वारा संशोधन किया गया—

क्रम सं.	सा.का.नि. सं.	तारीख
(1)	(2)	(3)
1.	115,	15-3-58
2.	1474	9-10-65
3.	1475	9-10-65
4.	1597	15-1-66
5.	1438	24-9-66
6.	1779	26-11-66
7.	1832	3-12-66
8.	878	18-8-73

1	2	3	1	2
9.	1017	22-9-74	53.	896
10.	1124	3-11-74	54.	528(प्र)
11.	1407	24-12-74	57.	602(प्र)
12.	34	19-1-74	58.	709(प्र)
13.	270	16-3-74	59.	397
14.	549	8-6-74	60.	399
15.	666	29-6-74	61.	597
16.	915	7-9-74	62.	622(प्र)
17.	470(प्र)	15-11-74	63.	610(प्र)
18.	471(प्र)	15-11-74	64.	652(प्र)
19.	1281	30-11-74	65.	270
20.	224	23-2-74	66.	479
21.	51	18-1-75	67.	499(प्र)
22.	186(प्र)	2-4-75	68.	797
23.	317(प्र)	25-6-75	69.	621
24.	753	21-6-75	70.	766(प्र)
25.	651	31-8-75	71.	345(प्र)
26.	381(प्र)	25-6-75	72.	346(प्र)
27.	349(प्र)	25-6-75	73.	310
28.	456(प्र)	22-8-75	74.	657
29.	2558(प्र)	25-10-75	75.	875
30.	511(प्र)	27-10-75	76.	679
31.	51	29-1-76	77.	731
32.	341(प्र)	15-6-76	78.	157
33.	813	12-6-75	79.	198
34.	814	12-6-76	80.	321
35.	827	12-6-76	81.	491
36.	252(प्र)	25-5-76	82.	413
37.	438(प्र)	3-7-76	83.	647
38.	768(प्र)	6-5-76	84.	690
39.	786(प्र)	25-8-76	85.	786
40.	791(प्र)	7-9-76	86.	252
41.	1570	25-9-76	87.	832(प्र)
42.	657(प्र)	30-10-76	88.	310(प्र)
43.	896(प्र)	20-11-76	89.	409
44.	592(प्र)	29-9-77	90.	408
45.	1535	12-11-77	91.	480
46.	1537	12-11-77	92.	596
47.	543	29-4-78	93.	781
48.	545	29-4-78	94.	831
49.	253(प्र)	17-3-79	95.	883
50.	986	26-7-79	96.	6
51.	655	30-11-79	97.	21
52.	381(प्र)	19-10-79		
53.	400(प्र)	9-7-80		
54.	448(प्र)	19-7-80		

G.S.R. 285(E):—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the All India Services Act, 1951 (61 of 1951), the Central Government, after consultation with the Governments of the States concerned, hereby makes the following rules further to amend the Indian Police Service (Pay) Rules, 1954, namely :—

1. (1) These rules may be called the Indian Police Service (Pay) Third Amendment Rules, 1987

(2) They shall be deemed to have come into force on the 1st day of January, 1986.

2. In the Indian Police Service (Pay) Rules, 1954 (hereinafter referred to as the said rules) :—

(a) In rule 3, (a) for sub-rule (1), the following sub-rule shall be substituted, namely :

“(i) The scales of pay admissible to a member of the Service and the dates of effect from which the said time-scales shall be deemed to have come into force shall be as follows :

Junior Scale—Rs. 2200-75-2800-EB-100 4000 with effect from the 1st day of January, 1986.

#### Senior Scale

(a) Time Scale—Rs. 3000 (fifth and sixth year)-100-3500-125-4500 with effect from the 1st day of January, 1986.

(b) Junior Administrative Grade—Rs. 3700-125-4700-150-5000 with effect from the 1st day of January, 1986.

Provided that a member of the service shall be appointed to the senior scale on his completing 4 years of service, subject to the provisions of Sub-rule 2 of Rule 6A of the IPS (Recruitment) Rules, 1954 and to the Junior Administrative Grade on completing 9 years of service.

(Note : The four years and nine years of service in this rule shall be calculated from the year of allotment assigned to him under Regulation 3 of the IPS (Regulation of Seniority Rules, 1954).

Selection Grade—Rs. 4500-150-5700 with effect from the 1st day of January, 1986.

#### Supertime Scale

DIG—Rs. 5100-150-5400 (18th year or later)-150-6150 with effect from the 1st day of January, 1986.

IG—Rs. 5900-200-6700 with effect from the 1st day of January, 1986.

#### Above Supertime Scale

DG—Rs. 7300-100-7600/7600-100-8000 with effect from the 1st day of January, 1986.

Provided that a member of the service may elect to continue to draw pay in the existing scale until the date on which he earns his next or any subsequent increment in the existing scale or until he vacates his post or ceases to draw pay in that scale. The option shall be exercised in accordance with such orders as may be issued by the Central Government in this behalf.

Explanation 1 : The option to retain the existing scale under the proviso to this rule shall be admissible only in respect of one existing scale.

Explanation 2 : The aforesaid option shall not be admissible to any person appointed to the service on or after 1st day of January, 1986 and he shall be allowed pay only in the revised scale.

Explanation 3 : Where a member of the service exercises an option under the proviso to this rule to retain the existing scale in respect of a post held by him in an officiating capacity on a regular basis for the purpose of regulation of pay in that scale, his substantive pay shall be the substantive pay which he would have drawn had he retained the existing scale in the permanent post on which he holds a lien or would have held a lien had his lien not been suspended or the pay of the officiating post which has acquired a character of substantive pay in accordance with any order for the time being in force, whichever is higher.”;

(b) for sub-rule (2), the following sub-rule shall be substituted namely,

(2)(i) member of the Service shall be entitled to draw pay in the Selection Grade only on appointment to that Grade.

(ii) The pay of a member of the Service in the Junior Administrative Grade shall, on appointment to the Selection Grade be fixed (a) at the stage which is equal to his pay in the Junior Administrative Grade or if there is no such stage, the stage next below that pay plus personal pay equal to the difference to be absorbed in future increase in pay or (b) the minimum of the Selection Grade, whichever is higher.

(iii) The next increment in the Selection Grade would accrue after rendering the requisite qualifying service in that grade.

Provided that all leave except extraordinary have taken otherwise than on medical certificate, shall count for increment in the Selection Grade.

Provided further that the Central Government, may in case, in which it is satisfied that the extraordinary leave was taken for any cause beyond the control of the member of the Service or for prosecuting higher Scientific or Technical studies, direct that such extraordinary leave shall be counted for increments under this sub-rule.

(c) for sub rule (3) the following sub-rule shall be substituted, namely :—

“(3) The initial pay of a member of the service who elects or is deemed to have elected in accordance with these rules, to be

governed by the revised scale on and from the first day of January, 1986 or from a later date as the case may be shall be fixed as from that date separately in respect of the pay drawn in a substantive or officiating capacity in the following manner :—

- (i) An amount representing 20 per cent of the basic pay in the existing scale subject to minimum of Rs. 75/- shall be added to the 'existing emoluments' of the member of the service.
- (ii) After the existing emoluments have been so increased the pay shall thereafter be fixed in the revised scale at the stage next above the amount thus computed.

Provided that if the amount as computed is less than the minimum of the revised scale, the pay shall be fixed at the minimum of that scale :

Provided further that if the amount so computed is more than the maximum of the revised scale, the pay shall be fixed at the maximum of that scale.'

Explanation: For the purpose of this sub-rule 'existing emoluments' shall include, —

- (a) the basic pay in the existing scale ;
- (b) the dearness pay, additional dearness allowance and ad-hoc dearness allowance appropriate to the basic pay admissible at index average 608 (1960=100); and
- (c) the amount of first and second instalment of interim relief admissible on the basic pay in the existing scale;
- (iii) In the case of members of Service who are in receipt of special pay in addition to pay in the existing scale and in whose case special pay continues with the revised scale of pay either at the same rate or at a different rate, the pay in the revised scale shall be fixed in accordance with the provision of this sub-rule with reference to existing emoluments calculated in accordance with the Explanation thereto, after excluding the existing special pay and the amounts admissible thereon with reference to dearness pay, additional dearness allowances and ad-hoc dearness allowance, and in such cases special pay at the new rate shall be drawn in addition to the pay so fixed in the revised scale.

Note : 1 Where a member of the service is holding a permanent post and is officiating in a higher post on a regular basis and the scales applicable to these two posts are merged into one scale, the pay shall be fixed under this sub-rule with reference to the officiating post only, and the pay so fixed shall be treated as substantive pay.

NOTE 2 Where the existing emoluments as calculated in accordance with this sub-rule exceed the revised emoluments in the case of any member of the service, the difference shall be allowed as personal pay to be absorbed in future increases in pay.

NOTE 3 : Where in fixation of pay under this sub-rule the pay of members of the Service drawing pay at more than five consecutive stage in an existing scale gets bunched that is to say, gets fixed in the revised scale at the same stage, the pay in the revised scale of such of the member of the service who are drawing pay beyond the first five consecutive stages in the existing scale shall be stepped up to the stage where such bunching occurs, as under, by the grant of increment(-) in the revised scale in the following manner, namely :—

- (a) for member of Service drawing pay from the 6th upto the 10th stage in the existing scale—by one increment;
- (b) for member of Service drawing pay from the 11th upto 15th stage in the existing scale, if there is bunching beyond the 10th stage—by two increments;

If by stepping up of the pay as above, the pay of a member of the service gets fixed at a stage in the revised scale which is higher than the stage in the revised scale at which the pay of the member of the service who was drawing pay at the next higher stage or stages in the same existing scale is fixed, the pay of the latter shall be stepped up only to the extent by which it falls short of that of the former.

NOTE 4 : Where in the fixation of pay under this sub-rule, the pay of a member of Service who in the existing scale was drawing immediately before the 1st day of January, 1986, more pay than another member of the service junior to him in the same cadre gets fixed in the revised scale at a stage lower than that of such junior, his pay shall be stepped up to the same stage in the revised scale as that of the junior.

NOTE 5 : Where a member of the service is in receipt of personal pay on the 1st day of January, 1986 which together with his existing emoluments as calculated in accordance with this sub-rule, exceeds the revised emoluments, then, the difference representing such excess shall be absorbed in future increases in pay.

NOTE 6 : In cases, where a senior member of the service promoted to a higher post before the 1st day of January, 1986, draws less pay in the revised scale, than his junior who is promoted to the higher post on or after the 1st day of January, 1986, the pay of the senior member of the service should be stepped up to an amount equal to the pay as fixed for his junior in that higher post. The stepping up should be done with effect from the date of promotion of the junior member of the service subject to the fulfilment of the following conditions, namely :—

- (a) both the junior and the senior member of the service should belong to the same cadre and the posts in which they have been promoted should be identical in the same cadre.



(b) the pre-revised and revised scales of pay of the lower and higher posts in which they are entitled to draw pay should be identical, and

(c) the anomaly should be directly as a result of the application of the provisions of this sub-rule. If even in the lower post, the junior officer was drawing more pay in the pre-revised scale than the senior by virtue of any advance increments granted to him, provisions of this Note need not be invoked to step up the pay of the senior officer.”;

3. In rule 4 of the said Rules,

(i) for sub-rule (2), the following shall be substituted namely :—

“(2) the pay of a member of the Service in the junior scale shall, on appointment to a post on the senior time scale be fixed at the stage next above the pay notionally arrived at by increasing his pay in the lower scale by one increment at the stage at which such pay accrued (or by an amount equal to the last increment in lower scale if he was drawing pay at the maximum of the lower scale) or the minimum of the higher scale whichever is higher.”

(ii) after sub-rule (5A), the following rules shall be inserted namely :—

“(5) The pay of the member of the Service in the senior time scale shall, on appointment to Junior Administrative Grade, be fixed (a) at the stage which is equal to his pay in the senior time scale or if there is on such stage, the stage next below that pay plus personal pay equal to the difference to be absorbed in future increases in pay or (b) the minimum of the Junior Administrative Grade, whichever is higher.”

“(5C) The pay of a member of the Service in the Selection Grade shall, on appointment to the Super-time scale be fixed in the same manner as in sub-rule (2) above.”

(4) In rule 5 of the said rules,

(i) for sub-rule (2), the following sub-rule shall be substituted, namely :—

“(2) In the case of a member of the Service recruited under Rule 7 of the Indian Police Service (Recruitment) Rules, 1954, increment in the junior scale and senior time scale and Junior Administrative Grade shall accrue on completion of one year's service in the junior scale, senior time scale or the Junior Administrative Grade, as the case may be, subject to the provisions of sub-rule (3A).”

(ii) for sub-rule (3A), the following sub-rule and provisos substituted, namely :—

“(3A) The next increment of a member of the Service whose pay has been fixed under sub-rule (3) of rule 3 shall accrue to him

on the date on which it would have accrued to him in the scale of pay applicable to him immediately before the first day of January, 1986.

Provided that in cases where the pay of a member of the service is stepped up under sub-rule (3) of Rule 3 the next increment shall be granted on the completion of qualifying service of 12 months from the date of the stepping up of the pay in the revised scale :

Provided further that in cases other than those covered by the preceding proviso, the next increment of a member of the service whose pay is fixed on the 1st day of January, 1986 at the same stage as the one fixed for another member of the service junior to him in the same cadre and drawing pay at a lower stage than his in the existing scale, shall be granted on the same date as admissible to his junior, if the date of increment of the junior happens to be earlier :

Provided also that in the case of persons who had been drawing maximum of the existing scale for more than a year as on the 1st day of January, 1986, next increment in the revised scale shall be allowed on the 1st day of January, 1986.

NOTE 1 : Whenever the pay has been fixed in terms of the above provisos the efficiency bar will become operative only with reference to such bars in the revised scale, irrespective of whether a member of the service had crossed or not crossed or had been held up at the efficiency bar in the existing scale.

NOTE 2 : Where by the grant of additional increments in terms of third proviso in the revised scale applicable to the substantive post, the substantive pay of a member of the service exceeds his officiating pay at any time, the member of the Service may be allowed, in addition to officiating pay, the difference between the officiating pay and substantive pay as personal pay to be absorbed in future increments for the periods during which the substantive pay exceeds officiating pay.”;

(5) After rule 5 of the said rules, the following rule shall be inserted, namely :—

“5A Stagnation increments : A member of the service drawing pay in the junior scale/senior scale/Junior administrative Grade/Selection Grade/Supertime scale shall be eligible for one increment for every two years of service after reaching the maximum of that scale, subject to a maximum of 3 increments.

NOTE : The stagnation increments shall be in the nature of personal pay and shall not be taken into account for the purpose of fixation of pay on promotion to higher post or for applying a ceiling on pay plus special pay under these rules.”;

(6) In the said rules, Schedule I shall be deleted.

(7) In Schedule II to the said rules, (i) for the words “First day of January, 1973” appearing in

clauses (i), (ii), (iii) and (iv) the words and figures "First day of January, 1986" shall be substituted,

(ii) for the illustrations, the following shall be substituted, namely —

"The method to be followed in fixing the pay of a promoted officer under clause (1) of this section is indicated below :—

(a) Actual pay of the officer in the State Police Service or, as the case may be,

his assumed pay in that service.

(b) Completed years of service in the State Police Service.

(c) Number of increments in the senior time scale of the Indian Police Service calculated at the rate of one increment for every three years of service in the State Police Service

	A	B	C	D	E
(a) Pay in State Police Service	2450	3250	3900	3500	3700
(b) Completed year of Service in State Police Service	7	17	18	6	2
(c) Number of increments	2	5	6	2	1
(d) Amount of increments	200	500	600	200	100
(e) Pay arrived at by addition of (a) & (d)	2650	3750	3700	3700	3800
(f) Stage in which pay should be fixed	3000	3875	4575	3700	3800
(g) Resultant increase	350	625	675	200	100
(h) Actual amount of increase subject to the minimum and maximum	200	300	300	200	200
(i) Pay arrived at by addition of (a) & (b)	2650	3550	4200	3700	3900
(j) Scale at which pay should be fixed in the senior time scale of Indian Police Service	3000	3600	4200	3700	3900

(A) A is a case where the resultant increase exceeds the maximum increase of Rs. 300 and the pay in the State Police Service plus Rs. 300 results in a figure below Rs. 3000. Hence pay is fixed at the minimum of senior scale.

(B) B is a case where the resultant increase exceeds the maximum increase of Rs. 300 pay in this case is to be fixed at the stage of the senior time scale next above the pay in the State Police Service plus Rs. 300].

(C) C is a case where the resultant increase exceeds the maximum increase of Rs. 300, pay is to be fixed at the stage in the senior scale equal to the pay in the State Civil Service plus Rs. 300

(D) D is a case where the resultant increase is Rs. 200 and the pay fixed corresponds with the stage in the senior time scale of the Indian Police Service and as such pay is to be fixed at that stage and not at the higher stage

(E) E is a case where the resultant increase is less than the minimum increase of Rs. 200. In such a case pay is to be fixed in the senior time scale at the stage equal to the pay in the State Police Service plus Rs. 200"

(8) (7) In Schedule III to the said rules under the heading "A posts carrying pay above the time scale of pay of the Indian Police Service under the State Government", "the entry '50' per cent or the number of such posts specified under item 1 of the Schedule to the Indian Police Service (Fixation of Cadre Strength) Regulations, 1955 which are given in Part

(b) of column 2 in the Table below shall be Level I posts carrying a scale of pay of Rs. 2250-125|2-2500" shall be deleted and the following entry shall be inserted, namely :—

"The pay scale of post of DG and IGP specified in column II carrying a pay of Rs. 3000 specified in column 3 shall be 7300-100-7600 or 7600-100-8000 as specified below."

(9) In Schedule III(A) to the said rules, in column number (3),—

(i) for the figures "3000", the figures "7600-100-8000" shall be substituted;

(ii) for the figures, "2500-125|2-2750," the figures "5900-200-6700" shall be substituted;

(iii) for the figures "2000-125|2-2250", the 2250-125|2-2500 figures, brackets and words "5100-150-5400 (18th year or later)-150-6150" shall be substituted;

(10) In Schedule III of the said rules under the heading "B Post carrying post in the time scale of the Indian Police Service under the State Government including posts carrying special pay in addition to pay in the time scale" for clause (1), the following clause shall be substituted, namely :—

"(1) The number of posts in the Selection Grade in the State Cadre shall be equal to 20 per cent of total number of senior posts in the State reduced by the number of posts carrying pay above the senior time

scale in the State subject to a minimum of 15 per cent of the senior posts in the State :

Provided that the number of posts shall be increased to the extent of appointments made to that Grade in the said cadre during the period from 1-1-86 to 13-3-87 and the said number shall be diminished by one whenever an officer in that grade is promoted to the higher grade, until the said number is equal to the numbers determined in the main paragraph of this sub-rule

(1) In Schedule III of the said rules under the heading "B posts carrying pay in the senior time

scale of Indian Police Service under the State Governments including posts carrying special pay in addition to pay in the time scale", for clause (3) the following clause shall be substituted, namely :—

"(3) the amount of any special pay which may be sanctioned by the State Government under clause 2 shall be Rs. 200, Rs. 300 and Rs. 400, as may, from time to time, be determined by the State Government concerned :

Provided that pay plus special pay shall not exceed the maximum of the scale of pay of the post to which the special pay is attached."

(ii) For Schedule III—C, the following schedule shall be substituted, namely:—

#### SCHEDULE III

(C) Post carrying pay above the time scale or Special pay in addition to pay in the time scale under the Central Government when held by member of Service

Sl. No.	Office or Union Territory	Particulars of posts	Pay/Scale of pay	Special Pay
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
			Rs.	Rs.
1.	Intelligence Bureau	Director	8000,-	—
		Additional Director	7300-100-7600.	—
		Joint Director	5900-200-6700.	—
		Deputy Director	5100-150-5400 (18th year or later)-150-6150.	400
		Asstt. Director	Senior Scale/Selection Grade.	500
		Central Intelligence Officer	Senior Scale/Selection Grade.	500
		Joint Asstt. Director	Senior Scale	400
		Deputy Central Intelligence Officers	Junior Scale	200
2.	Central Bureau of Investigation	Director	8000	—
		Additional Director	7300-100-7600.	—
		Joint Director/CBI & Spl. IGP, S.P.	5900-200-6700.	—
		Deputy Inspector General of Police	5100-150-5400 (18th year or later)-150-6150.	400
		Deputy Director	5100-150-5400 (18th year or later)-150-6150.	400
		Asstt. IGP, CBI/Senior most Supdt. of Police in those local branches where there is more than one SP/S.P. posted at one of the Central Units having All India Jurisdiction.	Senior time scale or Selection Grade	500
		All Supdts. of Police other than those referred to above	Senior time scale or Selection Grade	400
3.	Sardar Vallabhabhai Patel National Police Academy	Director	7600.	—
		Dy. Director	5100-150-5400 (18th year or later)-150-6150.	400
		Asstt. Director	Senior Scale	500

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
			Rs.	Rs.
4. Border Security Force	Director General	8000/-	—	
	Inspector General	5900-200-6700.	—	
	Dy. IG/Dy. Director	5100-150-5400 (18th year or later)-150-6150.	400	
5. Central Reserve Police Force	Director General	8000/-	—	
	Inspector General	5900-200-6700.	—	
	Dy. Inspector General of Police/Dy. Director	5100-150-5400 (18th year or later)-150-6150.	400	
	Commandant/Asstt. Director	Senior Scale	500	
6. Indo-Tibetan Border Police	Director General	7600.	—	
	Dy. Inspector General	5100-150-5400 (18th year or later)-150-6150.	400	
7. Central Industrial Security Force	Director General	7600.	—	
	Inspector General	5900-200-6700.	—	
	Dy. Inspector General	5100-150-5400 (18th year or later)-150-6150.	400	
8. Bureau of Police Research and Development	Director General	7600.	—	
	Director (Training)	5900-200-7600.	—	
	Director (Research & Development)	5900-200-6700.	—	
	Deputy Director	5100-150-5400 (18th year or later)-150-6150.	400	
	Asstt. Director	Senior Scale/Selection Grade	500	
	Principal, Central Detective Training School, Calcutta, Hyderabad & Chandigarh	Sr. Scale/Selection Grade	500	
	Vice Principal, Central Detective Training School, Calcutta, Hyderabad & Chandigarh	Senior Scale	400	
9. Directorate of Co-Coordination & Police Computers	Director	5100-150-5400 (18th year or later)-150-6150.	400	
	Asstt. Director	Senior Scale	500	
10. National Security Guard	Director General	7600.	—	
11. National Crime Research Bureau	Director	5900-6700.	—	
12. Railways	D.G., R.P.F.	7600.	—	
	IG-cum-Chief Security Officer	5900-200-6700.	—	
	DIG/RPSF & Addl. Director, Security/Chief Security Officer	5100-150-5400 (18th year or later)-150-6150.	400	
	Asstt. IG & Dy. Director/Security	Selection Grade	400	

Note : All special pays in Col. 5 shall be subject to the condition that the pay plus Special Pay shall not exceed the maximum of the scale of pay of the post to which the special pay is attached.

## (12) In Schedule III (D).—

- (i) for the figures "Rs. 3500", "Rs. 3000", "Rs. 2500-125|2-2700", the following shall be substituted, namely :—"Rs. 8000", "Rs. 7300-100-7600", and "Rs. 5900-20-0-6700".
- (ii) for the words "Senior Scale or Selection Grade" and "Junior Scale|Senior Scale" respectively, the following shall be substituted, namely :—  
 'Junior Administrative Grade or Selection Grade' and "Junior Scale|Senior Scale|Junior Administrative Grade";
- (iii) for the figures "Rs. 300" and "Rs. 200", the following shall be substituted, namely :—"Rs. 500" and "Rs. 400".
- (iv) Provided that pay plus special pay shall not exceed the maximum of the pay scale to which special pay is attached;

(13) In rule 9-C, for the words and figures "Rs. 2000-125|2-2250" "Rs. 300" and Rs. "2450" wherever they occur the words and figures "Rs. 4500-150-5700", "Rs. 500" and "Rs. 5700" respectively shall be substituted.

## EXPLANATORY MEMORANDUM

The Central Government has decided to implement the decision taken on the recommendations made by the Fourth Central Pay Commission relating to revision of scales of pay in respect of the All India Service and the Central Civil Services Group 'A' with effect from the 1st January, 1986.

The Indian Police Service (Pay) Rules, 1954, are being amended accordingly with effect from the 1st January, 1986.

It is certified that no member of the Indian Police Service is likely to be adversely affected by this notification being given retrospective effect.

Note : Principal Rules were published vide Gazette No. 158 dated 14-9-1964 Part I Section (1) (Extra-Ordinary) and were subsequently amended vide the following notifications.

Sl. No.	G.S.R. No.	Date
1	2	3
1.	115	15-3-58
2.	1474	9-10-65
3.	1475	9-10-65
4.	1597	15-1-66
5.	1438	24-9-66
6.	1779	26-11-66
7.	1832	3-12-66
8.	878	18-8-73
9.	1017	22-9-73
10.	1124	3-11-73
11.	1407	29-12-73
12.	33	19-1-74
13.	270	16-3-74
14.	549	8-6-74
15.	666	29-6-74
16.	945	17-9-78
17.	470(E)	15-11-74
18.	471(E)	15-11-74
19.	1261	30-11-74
20.	224	22-2-75
21.	51	18-1-75
22.	186(E)	2-4-75
23.	347(E)	25-6-75
24.	753	21-6-75
25.	651	31-5-75
26.	381(E)	25-6-75
27.	349(E)	25-6-75
28.	456(E)	22-8-75
29.	2558 (E)	25-10-75
30.	541(E)	27-10-75
31.	51	29-1-76
32.	341(E)	15-6-76
33.	813	12-6-76



1	2	3	4	5
34.	814			12-6-76
35.	827			12-6-76
36.	252(E)			25-5-76
37.	438(E)			3-7-76
38.	758(E)			4-5-76
39.	766(E)			25-8-76
40.	791(E)			7-9-76
41.	1370			25-9-76
42.	857(E)			30-10-76
43.	895(E)			28-11-76
44.	592(E)			25-8-77
45.	1535			12-11-77
46.	1537			12-11-77
47.	543			29-4-78
48.	545			29-4-78
49.	253(E)			17-3-79
50.	986			26-7-79
51.	655			30-11-79
52.	581(E)			19-10-79
53.	400E			9-7-80
54.	456(E)			30-7-80
55.	896			6-9-80
56.	528(E)			8-9-80
57.	602(E)			25-10-80
58.	709(E)			22-12-80
59.	397			12-4-81
60.	399			18-4-81
61.	597			27-6-81
62.	622(E)			30-11-81
63.	610(E)			21-11-81
64.	652(E)			10-12-81
65.	270			13-3-82
66.	479			29-5-82
67.	499(E)			16-7-82
68.	707			28-8-82
69.	621(E)			20-10-82
70.	766(E)			18-12-82
71.	345(E)			20-4-83
72.	346(E)			20-4-83
73.	510			16-7-83
74.	657			10-9-83
75.	675			17-9-83
76.	679			17-9-83
77.	731			8-10-83
78.	157			18-2-84
79.	198			25-2-83
80.	334			31-3-84
81.	431			5-5-84
82.	478			19-5-84
83.	647			30-6-84
84.	690			7-7-84
85.	786			28-7-84
86.	252			9-8-85
87.	832(E)			7-11-85
88.	310(E)			24-2-86
89.	409			7-6-86
90.	408			7-6-86
91.	480			28-6-86
92.	596			16-8-86
93.	781			6-9-86
94.	834			4-10-86
95.	883			18-10-86
96.	6			3-1-87
97.	24			10-1-87

मा का नि 286(ख) —केंद्रीय सरकार, अखिल भारतीय सेवा अधिनियम, 1951 (1951 का 61) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करके हुए, संवर्धित राज्य सरकारों में परामर्श करने व पश्चात् भारतीय वन सेवा (वेतन) नियम 1965 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है अर्थात् —

1 (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम भारतीय वन सेवा (वेतन) विनियम संशोधन नियम 1987 है।

(2) ये 1 जनवरी 1988 को प्रवृत्त बनेंगे।

2 भारतीय वन सेवा (वेतन) नियम 1965 में (जिन्हें इनमें इसमें पश्चात् उक्त नियम कहा गया है),—

(क) नियम 3 के उपनियम (1) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात् —

“(1) सेवा के सदस्य का अनुज्ञेय पात्र वेतनमान और वे तारीख जिनको वेतनमान प्रवृत्त समझे जाएंगे, निम्नलिखित होंगे

कनिष्ठ वेतनमान 2200-75 3800- 1 जनवरी 1986  
“द रा- 100 4000 में  
उपरो

ज्येष्ठ वेतनमान

(1) काल वेतनमान 3000 (3वां और छठा 1 जनवरी, 1986 में  
वर्ष) —100-3500-125-1500 रु

(11) कनिष्ठ प्रशासनिक श्रेणी (अप्रकार्य) 1 जनवरी 1986 में  
1700-125-4700-150-5000 रु

किन्तु शर्त यह है कि ज्येष्ठ वेतनमान में सेवा के सदस्य का नियुक्ति 4 वर्ष की सेवा पूरा करने के बाद भारतीय वन सेवा (सर्वांगी) नियम 1966 के नियम 6ए के उपनियम 2 के उपबन्धों के अधीन और कनिष्ठ प्रशासनिक श्रेणी में 3 वर्षों की सेवा पूरा होने के बाद होगी।

टिप्पण इस नियम में चार वर्ष और नौ वर्ष की सेवा के साक्षात् भारतीय वन सेवा (ज्येष्ठता विनियम) नियम, 1968 के विनियम 3 के अन्तर्गत उस समन्वयेति आइटम वर्ष में का जाएगा।

(111) चयन श्रेणी 4100-125-4850-150- 1 जनवरी, 1986 में  
5300 रु

अधिकांश वेतनमान वन संरक्षक स्तर II

और स्तर I

4500-150-5700 रु 1 जनवरी, 1986 में

अपर मुख्य वन संरक्षक/मुख्य वन संरक्षक

5900-200-6700 रु 1 जनवरी, 1986 में

अधिकांश वेतनमान में अधिक वेतनमान

प्रधान मुख्य वन संरक्षक

7300-100 7600 1 जनवरी, 1986 में

(छाटे गणना में)

7600 रुपये 1 जनवरी, 1986 में

(बड़े गणना में)

परन्तु यह कि सेवा के सदस्य को तारीख पर विद्यमान वेतनमान में वेतन देना असाध्य रखने के लिए निर्धारित कर सकेगा। जिसको वह विद्यमान वेतनमान में अगली या कोई पश्चात्कालीन वेतनबृद्धि प्राप्त करता है या जब तक कि वह पर रिकॉर्ड करता है या उस वेतनमान में

वेतन देना हुमा नहीं रहता है। बिकल्प का प्रयोग ऐसे मामलों में अनुसार, जो केन्द्रिय सरकार इस विधित्त नियमों के अधीन जारी कर सकेगी, किया जाएगा।

संशोधन 1 इस नियम के अन्तर्गत 1 पर 1 विद्यमान वेतन प्रतिधारित करने का बिकल्प देता एक विद्यमान वेतनमान की भाँति अनुज्ञेय होगा।

संशोधन 2 उपयुक्त विनियम 1 जनवरी 1986 को से 1 हस्तक्षेप से वेतन किसी अन्य का अनुज्ञेय नहीं होगा। अतः उसे वेतन वृद्धि पुनरीक्षित वेतनमान में दिया जाएगा।

संशोधन 3 जहाँ सेवा का सदस्य नियमित आधार पर स्थानांतरण हेतु नियत में अंतर द्वारा धारित किसी पद का वास्तविक वेतनमान में वेतन के विनियमन के प्रमाण के लिए एक बार के अनुज्ञेय विद्यमान वेतनमान प्रतिधारित करने के बिकल्प का प्रयोग करना है। वहाँ उसका अधिष्ठाई वेतनमान वह होगा जो वह तब सेवा के उपर उस स्थान पर विद्यमान वेतनमान प्रतिधारित किया जाता है जिन पर वह धारणाधिकार धारित करता है या धारणाधिकार धारित करता या उसका धारणाधिकार निलंबित न किया गया होना या उस स्थानांतरण पद का वेतन जिसमें तत्काल प्रवृत्त किया जायेगा के अनुसार अधिष्ठाई वेतन का हेतुयत अर्जित कर लेता है, जो भी अधिक होगा।

(ख) नियम 3 के उपनियम 2 के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात् —

“(2) (1) सेवा का सदस्य चयन श्रेणी में वेतन देने का हकदार उस श्रेणी में नियुक्ति पर ही होगा।

(11) चयन श्रेणी में नियुक्ति होने पर कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड में सेवा के सदस्य का वेतन (क) उस स्तर पर जा उमरे कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड में उसका वेतन के बराबर हो अथवा यदि ऐसा कोई स्तर नहीं है तो उसका वेतन में भावा वृद्धि में समाहित किए जाने वाले अन्तर की राशि के बराबर वैयक्तिक वेतन सहित उस वेतन के नाचे के स्तर पर संभव (ख) चयन श्रेणी के न्यूनतम वेतन पर, इनमें से जो भी अधिक हो, निर्धारित किया जाएगा।

(111) चयन श्रेणी में अगली वेतनबृद्धि उस श्रेणी में अर्जित प्रवृत्ति सेवा करने के पश्चात् प्राप्त होगी। परन्तु यह कि निम्नलिखित प्रमाणपत्र पर से अन्यथा की गई असाधारण छुट्टी के विचार पूर्ण छुट्टी की चयन श्रेणी में वेतनबृद्धि के लिए गणना का जाएगी।

परन्तु यह और कि केन्द्रीय सरकार किसी भी मामले में जिसमें उसका यह समाधान हो जाता है कि असाधारण छुट्टी सेवा के सदस्य के नियंत्रण के पर किसी कारण के लिए या उच्चतर श्रेणी या तकनीकी अध्ययन के लिए ली गई या यह निर्देश दे सकेगी कि ऐसी असाधारण छुट्टी की गणना इस उप नियम के अन्तर्गत वेतनबृद्धि के लिए की जाएगी।

(ग) नियम 4 के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा अर्थात् —

“4—अधिकारी का चयन नियमों के तहत के सदस्य का आरम्भिक वेतन, या उन नियमों के अनुसार 1 जनवरी 1986 से ही या पश्चात्कालीन तारीख का पुनरीक्षित वेतनमान द्वारा शासित होने का निर्वाचन करना है या यह संभव हो कि उसने ऐसा निर्वाचन किया है अधिष्ठाई के स्थानांतरण हेतुयत में लिए गए उमरे वेतन को वास्तविक पद के से उस तारीख से निम्नलिखित गति में पुनर्निर्धारित किया जाएगा—

(1) 15 रु के न्यूनतम के अध्ययन करने हुए विद्यमान वेतनमान में मूल वेतन का 20 प्रतिशत अपशिष्ट करने

सर्वोच्च रकम सेवा के सदस्य की "विद्यमान उपलब्धियों" या जोड़ी जायगी।

- (2) विद्यमान उपलब्धियाँ इस प्रकार बँटवाई जाने के पश्चात् वेतन इस प्रकार संगणित रकम से अगले ऊपर के प्रक्रम पर नियत किया जाएगा। परन्तु यह कि इस प्रकार संगणित रकम पुनरीक्षित वेतनमान के व्यतनमान से कम है या वेतन उस वेतनमान के आधार पर नियत किया जाएगा परन्तु यह और कि यदि इस प्रकार संगणित रकम पुनरीक्षित वेतनमान को अधिकतम से अधिक है, तो वेतन उस वेतनमान के अधिकतम पर नियत किया जाएगा।

स्पष्टीकरण इस उपनियम के प्रयोजन के लिए, "विद्यमान उपलब्धियों" के अन्तर्गत निम्नलिखित आएंगे—

- (क) विद्यमान वेतनमान में मूल वेतन
- (ख) महगाई वेतन अभिरिक्त महगाई भत्ता और औसत मूलकांक 608 (1960=100) पर अनुज्ञेय तथ्य महगाई भत्ता जो मूल वेतन के सम्बन्धित है और
- (ग) विद्यमान वेतनमान में मूल वेतन पर अनुज्ञेय अन्तर्गत अन्तर्गत की पट्टी और दूसरी फिक्स्ड की रकम,
- (4) सेवा के ऐसे सदस्य के मामले में जिनके विद्यमान वेतनमान में वेतन के अनिश्चित विशेष वेतन मिल रहा है और जिनके मामले में पुनरीक्षित वेतनमान के साथ विशेष वेतन उसी दर पर निर्धारित या किसी भिन्न दर पर जारी रहता है पुनरीक्षित वेतनमान में वेतन उसके स्पष्टीकरण के अनुसार संगणित विद्यमान उपलब्धियों के प्रति निर्देश में विद्यमान विशेष वेतन और महगाई वेतन और महगाई भत्ते और तथ्य महगाई भत्ते के प्रति निर्देश में उस पर अनुज्ञेय रकम की अपेक्षा करने हम उपनियम के उपबन्ध के अनुसार नियत किया जाएगा और ऐसे मामलों में तब तक पर विशेष वेतन पुनरीक्षित वेतनमान में इस प्रकार नियत किया जाए वेतन के अनिश्चित किया जाएगा

टिप्पण 1 जहाँ सेवा का सदस्य कोई स्थाई पद धारित कर रहा हो और नियमित आधार पर किसी उच्चतर पद पर स्थानान्तरण हो और इन दोनों पदों का नाम वेतनमानों का एक वेतनमान में विलय हो जाता है तो वेतन स्थानांतरण पद के प्रति निर्देश में ही इस उपनियम के अधीन नियत किया जाएगा और इस प्रकार नियत किया जाए वेतन को अग्रिमार्थ वेतन माना जाएगा।

टिप्पण 2 जहाँ हम उपनियम के अनुसार संगणित विद्यमान उपलब्धियों सेवा के किसी सदस्य की दशा में पुनरीक्षित उपलब्धियों में अधिक है तो अगले वेतन में अग्रिम की वृद्धियों में शामिल होने वाले वैयक्तिक वेतन के रूप में अनुज्ञेय किया जाएगा।

टिप्पण 3 जहाँ इस उपनियम के अधीन वेतन नियत करने में विद्यमान वेतनमान या 5 कमवर्गीय प्रक्रमों पर वेतन लेने वाले सेवा के सदस्यों का वेतन समराशि हो जाता है, अर्थात् पुनरीक्षित वेतनमान में उसी प्रक्रम पर नियत हो जाता है या ऐसे सेवा के सदस्यों के, जो विद्यमान वेतनमान में प्रथम 5 कमवर्गीय प्रक्रमों के पदों वेतन ले रहे हैं पुनरीक्षित वेतनमान में वेतन उस प्रक्रम तक, जहाँ ऐसी समकरण राशि पट्टी होती है, पुनरीक्षित वेतनमान में वेतनवृद्धियों के अनुरोध या निम्नलिखित रीति में बढ़ाया जाएगा, अर्थात् —

(क) विद्यमान वेतनमान या छठे से दसवें प्रक्रम तक वेतन लेने वाले सेवा के सदस्यों के लिए यदि वयस्क प्रक्रम के पदों सम-राशिकरण हो—यहाँ वेतनवृद्धियाँ होगा

(ख) विद्यमान वेतनमान में 11वें से 15वें प्रक्रम तक वेतन लेने वाले सेवा के सदस्यों के लिए यदि वयस्क प्रक्रम के पदों सम-राशिकरण हो—यहाँ वेतनवृद्धियाँ होगा

यदि यथाकल वेतन बढ़ाने से सेवा के सदस्य का वेतन पुनरीक्षित वेतनमान में उस प्रक्रम पर नियत हो जाता है जो पुनरीक्षित वेतनमान में उस प्रक्रम में उच्चतर है जिस पर किसी अधिकारी का वेतन या उसी विद्यमान वेतनमान में अगले उच्चतर प्रथम या प्रथम पर वेतन पर रखा था, नियत किया जाता है तो पञ्चावधिक का वेतन भी उस सीमा तक बढ़ाया जाएगा जिस तक कि वह पूर्व कथित के वेतन से कम है।

टिप्पण 4 जहाँ इस उपनियम के अधीन वेतन के नियतन में सेवा के सदस्यों का वेतन, जो विद्यमान वेतनमान में 1 जनवरी, 1986 के टीक पर्व उसी वाइर में उससे कनिष्ठ सेवा के अन्य सदस्य से अधिक वेतन ले रहा था, पुनरीक्षित वेतनमान में ऐसे कनिष्ठ अधिकारी से निम्नतर प्रक्रम पर नियत हो जाता है, तो उसका वेतन पुनरीक्षित वेतनमान में उसी प्रक्रम पर कनिष्ठ के जैसा ही बढ़ाया जाएगा।

टिप्पण 5 जहाँ सेवा के सदस्य का 1 जनवरी 1986 का पद वैयक्तिक वेतन मिल रहा हो जो इस उपनियम के अनुसार संगणित उसकी विद्यमान उपलब्धियों से मिलकर पुनरीक्षित उपलब्धियों में अधिक हो जाता है वहाँ ऐसे अधिकारी का व्यपदिष्ट करन वाता अंतर, सेवा के सदस्य का वेतन में अधिकारी की वृद्धियों में शामिल होने वाले वैयक्तिक वेतन के रूप में अनुज्ञेय किया जाएगा।

टिप्पण 6 ऐसे मामलों में जहाँ सेवा का स्पष्ट सदस्य 1 जनवरी 1986 में पूर्व उच्चतर पद पर प्राप्त होत पर पुनरीक्षित वेतनमान में अपने उस स्पष्ट से कम वेतन लेता है जिसे उच्चतर पद पर 1 जनवरी 1986 से या उसके पश्चात् प्राप्त किया गया है तो सेवा के स्पष्ट सदस्य का वेतन उस उच्चतर पद पर उसके कनिष्ठ के नियत वेतन के बराबर रकम तक बढ़ा दिया जाता चाहिए। ऐसा सेवा के कनिष्ठ सदस्य का प्राप्त की मारीख में निम्नलिखित शर्तों का पूर्ण करने के अध्वक्षीन रहने हुए किया जाता चाहिए अर्थात् —

(क) सेवा के कनिष्ठ और स्पष्ट सदस्य दोनों का संबंध पत्रों का उद्देश्य से होना चाहिए और वे पद जिन पर उनकी प्रारम्भिक हुई है उसी वाइर में समान होना चाहिए

(ख) उन निम्न और उच्च पदों पर पुनरीक्षित और पुनरीक्षित वेतनमान जिनमें वे वेतन लेने के अधिकार हैं समान होने चाहिए

(ग) विपरीत प्रत्यक्ष इस उपनियम के उद्देश्य का वास्तविक पदों के परिणामस्वरूप होनी चाहिए। यदि निम्नतर पद पर भी, कनिष्ठ अधिकारी पूर्व पुनरीक्षित वेतनमान में उस अनुक्रम अग्रिम वेतनवृद्धियों के कनिष्ठता से उच्चतर अधिकारी से अधिक वेतन ले रहा था तो स्पष्ट अधिकारी का वेतन बढ़ाने के लिए इस टिप्पण के उद्देश्य का वास्तविक होना चाहिए।

3. उक्त नियमावली के नियम 1 में

(1) उप नियम (2) के स्थान पर निम्नलिखित परिभाषित किया जाएगा, अर्थात् —

(2) कनिष्ठ या उच्च वेतनमान के किसी पद पर सेवा के किसी सदस्य की नियुक्ति पर कनिष्ठ वेतनमान में वेतन जिस स्तर पर ऐसा वेतनमान बढ़ता था उससे एक वेतनवृद्धि देकर (अर्थात् निम्नतर में अधिकतम वेतनवृद्धि के बराबर राशि देकर यदि वह कनिष्ठ वेतनमान में अधिकतम वेतन पर रहा था) कनिष्ठ वेतनमान में उसके वेतनमान को वंशक काव्यविक

रूप में जो बेतन बनता है उससे अगले स्तर पर अथवा उच्च वेतनमान के स्तर पर। इनमें से जो भी अधिक हो, निर्धारित किया जाएगा।

- (ii) उपनियम 6(क) के बावद निम्नलिखित उपनियमों को ध्यान में रखा जाएगा, अर्थात् —

“(6ख)- कनिष्ठ प्रशासनिक वेतनमान में नियुक्ति पर सेवा के समय के वेतन वरिष्ठ काल वेतनमान में (क) वेतन के उस स्तर पर जो वरिष्ठ काल वेतनमान में उसके वेतन के बराबर हो अथवा यदि ऐसा कोई स्तर विद्यमान नहीं है तो ऐसी स्थिति में उसका वेतन उसके वेतन में भागी वृद्धि में समाहित किए जाने वाले घटकर की राशि के बराबर वैयक्तिक वेतन मजिन उस वेतन के नीचे के स्तर पर अथवा (ख) कनिष्ठ प्रशासनिक वेतनमान के न्यूनतम पर इनमें से जो भी अधिक हो, निर्धारित किया जाएगा।

(6ग) अधिकाल वेतनमान में नियुक्ति होने पर सेवा के किसी सदस्य का जयन श्रेणी में वेतन उसी तरीके से निर्धारित किया जाएगा जैसा कि उपर्युक्त उपनियम (2) में उल्लेख किया गया है।”।

#### 4. उक्त नियमों के नियम 5 में,—

- (1) उप नियम (2) के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् —

“(2) भारतीय जन सेवा (भर्ती) नियमावली, 1966 के नियम 7 के अन्तर्गत भर्ती किए गए सेवा के किसी सदस्य के मामले में कनिष्ठ वेतनमान तथा उच्च काल वेतनमान और कनिष्ठ प्रशासनिक वेतनमान में वेतनवृद्धि कनिष्ठ वेतनमान, उच्च काल वेतनमान अथवा कनिष्ठ प्रशासनिक वेतनमान, जैसा भी मामला हो, में एक वर्ष की सेवा पूरी करने के बाद, उपनियम (3क) के उपबंधों के अधीन प्राप्त होगी।”

- (ii) उपनियम 5 के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात् —

“(5) सेवा के ऐसे सदस्य की, जिसका वेतन नियम 4ख के अधीन नियत किया गया है, अगली वेतन वृद्धि उस तारीख को प्रोद्भूत होगी जिसको वह उस काल वेतनमान में जो 1 जनवरी, 1986 के ठीक पूर्व उसे लागू था उसे प्रोद्भूत हुई होती।

परन्तु उन मामलों में जहाँ सेवा के सदस्य का वेतन बढ़ाया जाता है वहाँ अगली वेतनवृद्धि पुनरीक्षित वेतनमान में वेतन को बढ़ाये जाने की तारीख से बारह मास की अवधि सेवा के पूरे होने पर अनुवर्त की जाएगी।

परन्तु यह और भी कि पूर्ववर्ती परन्तुक के अन्तर्गत आने वाले मामलों में भिन्न मामलों में सेवा के उस सदस्य की अगली वेतनवृद्धि, जिसका वेतन 1 जनवरी, 1986 को उसी प्रक्रम पर नियत किया जाता है जिस पर कि उसी कानून में उससे कनिष्ठ अन्य अधिकारी का, जो विद्यमान वेतनमान में उसके प्रक्रम से नीचे वेतन ले रहा है, नियत किया गया है, उसी तारीख को अनुवर्त की जाएगी जो उसके कनिष्ठ को अनुवर्त है यदि कनिष्ठ की वेतनवृद्धि की तारीख पूर्व में आयी है।

परन्तु यह और भी कि ऐसे व्यक्तियों के मामले में, जो 1 जनवरी, 1986 का एक वर्ष से अधिक से इस विद्यमान वेतनमान का अधिकतम ले रहे थे पुनरीक्षित वेतनमान में वेतनवृद्धि 1 जनवरी, 1986 से की जाएगी।

टिप्पण 1. जहाँ वेतन उक्त परन्तुकों के निर्बंधनों के अनुसार नियत किया गया है वहाँ दक्षता रोध, इस बात को विचार में लाए बिना कि सेवा के किसी सदस्य ने विद्यमान वेतनमान में दक्षता रोध पार किया था या नहीं या उस पर रुका हुआ था, पुनरीक्षित वेतनमान में ऐसे रोधों के प्रति निर्देश में ही प्रबल होगा।

टिप्पण 2. जहाँ अधिष्ठाई पक्ष को लाभ पुनरीक्षित वेतनमान में तीव्र परन्तुक के निर्बंधनों के अनुसार अनिश्चित वेतनवृद्धियाँ देने के कारण सेवा के सदस्य का अधिष्ठाई वेतन किसी समय उसके स्थानापन्न वेतन से अधिक हो जाता है तो सेवा के सदस्य को स्थानापन्न वेतन के अनिश्चित स्थानापन्न वेतन और अधिष्ठाई वेतन के बीच का अंतर, वेतन में अधिष्ठ को वृद्धियों में शामिल होने वाले वैयक्तिक वेतन के रूप में उस अधिष्ठ के दौरान, जिसमें अधिष्ठाई वेतन स्थानापन्न वेतन से अधिक हो, अनुवर्त किया जा सकेगा।

5. उक्त नियमों के नियम 5 के पश्चात् निम्नलिखित नियम धन्यः स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“5-क वृद्धिरोध—वेतनवृद्धि कनिष्ठ वेतनमान/उच्च वेतनमान/कनिष्ठ प्रशासनिक श्रेणी/जयन श्रेणी/अधिकाल वेतनमान में वेतन लेने वाला सेवा का सदस्य उस वेतनमान के अधिकतम पर पहुँचने से पश्चात् प्रत्येक 2 सेवा वर्षों के लिए एक वेतनवृद्धि रुका पाव होगा किन्तु ऐसी वेतनवृद्धियाँ तीन से अधिक नहीं मिलेंगी।

टिप्पण : वृद्धिरोध वेतनवृद्धियाँ वैयक्तिक वेतन की प्रकृति की होगी और उन्हें इन नियमों के अधीन उच्चतर पद पर प्रोन्नति होने पर वेतन नियतन के या वेतन धन विशेष वेतन की अधिकतम सीमा लागू करने के प्रयोजन के लिए हिसाब में नहीं लिया जाएगा।”।

6. उक्त नियमों की अनुसूची प्रिम्पॉसिट कर दी गई है।

7. उनकी नियमों की अनुसूची II में—

खंड (i), (ii), (iii) और (iv) में “1 जनवरी, 1973” शब्दों और शब्दों के स्थान पर “1 जनवरी, 1986” शब्द और शब्द रखे जाएंगे।

8. उक्त नियमों की अनुसूची III में,—

- (i) “क—वे पद जिसका वेतन राज्य सरकारों के प्रधान भारतीय जन सेवा के काल वेतनमान से अधिक है” शब्दों के अधीन स्तर सं. 3 में,—

क्रमशः 2500-125/2-2750; 2250-125/2-2500; 2000-125/2-2250 और 1800-100-2000; श्रेणियों के स्थान पर

क्रमशः 5900-200-6700; 5900-200-6700; 4500-150-5700 और 4500-150-5700 रक रूके जाएंगे

- (ii) “ख—राज्य सरकारों के प्रधान भारतीय जन सेवा/उच्च काल वेतनमान में वेतन वात पद जिसके अन्तर्गत काल वेतनमान में वेतन के अनिश्चित विशेष वेतन वाले पद भी हैं” शब्दों के अधीन खंड (4) के स्थान पर निम्नलिखित खंड रखा जाएगा, अर्थात्

“(3) किसी विशेष वेतन की रकम जो खंड (2) के अधीन राज्य सरकारें पंजूर कर सकेंगी, 200 रु./300 रु./या 400 रु. होगी, जैसा संबंधित राज्य सरकार समय-समय पर अधिसूचित करे

परन्तु यह कि वेतन धन विशेष वेतन उस वेतनमान को जिसमें विशेष वेतन संलग्न है, अधिकतम से अधिक नहीं होगा।”

(iii) 'य' केन्द्रीय सरकार के अधीन कानून वेतनमान ग वेतन वाले पद जब सेवा के सर्वश्रेष्ठ द्वारा धारित हो, शीर्षक के अधीन -

(i) 3500/-, 3000/-; 2500-2750/-, 3000-100-3500/-  
2000-2250/-, 1800-2000/-, 2000-2250/- और  
2500-125/2-3000/-, प्रत्येक के स्थान पर

यमश 4000/-, 7300-7600/-, 5900-200-6700 8000  
4500-100-5700/-,

1500-150-5700/- और 5900-200-7300/- अक्ष रखे जाएंगे

(ii) प्रविष्टियाँ

उप सचिव भारत सरकार (1) चयन श्रेणी 300 रु

(ii) श्रेष्ठ, वेतनमान 300 रु "

के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टियाँ रखी जाएँगी, अर्थात् -

उप सचिव, चयन श्रेणी या 500/- रु "  
भारत सरकार यनिष्ठ प्रशासनिक श्रेणी

(iii) प्रविष्टियाँ-

अवर सचिव, श्रेष्ठ कानून वेतनमान 200 रु (इस शर्त के  
भारत सरकार या कनिष्ठ वेतनमान प्रत्येक रखे हुए कि  
वेतन 1 और विशेष  
वेतन वाला निराकर  
1700 रु से अधिक  
न हो।

के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टियाँ रखी जाएँगी, अर्थात् -

अवर सचिव, श्रेष्ठ कानून वेतनमान 100 रु "  
भारत सरकार या कनिष्ठ प्रशासनिक श्रेणी

(IV) स्तम्भ (4) के अधीन

300/-, 200/- और 150/- प्रत्येक के स्थान पर  
यमश 500/-, 400/- और 300/- प्रत्येक रखे जाएंगे

(V) स्तम्भ (5) के अधीन

तारीख 1-5-1974 और 1-1-1973 के स्थान पर तारीख 1-1-1986  
रखी जाएगी

(VI) प्रत्येक निम्नलिखित टिप्पण जाया जाएगा, अर्थात् -

'टिप्पण वेतन धन विशेष वेतन संबंधित पद के वेतनमान के अधिब-  
तम से अधिक नहीं होगा'

मापदण्डक ज्ञान

केन्द्रीय सरकार न चौथे केन्द्रिय वेतन आयोग की अखिल भारतीय  
सेवा और केन्द्रीय विविध सेवा समूह "क" की भारत वेतनमानों के पुन-  
गणना संबंधी विफारिशों पर किए गए विनिश्चयों का 1 जनवरी, 1986  
से कार्यान्वित करने का विनिश्चय किया है।

भारतीय वन सेवा (वन) नियम 1968 का मदनसार 1 जनवरी,  
1986 से संचालित किया जा रहा है।

यह प्रमाणित किया जाना है कि भारतीय वन सेवा के किसी सदस्य  
पर इस अधिसूचना का अतः प्रभाव पड़े जाने से प्रतिकूल प्रभाव पड़ने  
का कोई संभावना नहीं है।

टिप्पणी - प्रधान विनियम दिनांक 2-5-1968 की अधिसूचना संख्या 2/11-65-प्र.भा.स (1) द्वारा भारत के अध्याधारेण राजपत्र में सा के नि संख्या  
182 के रूप में 16-3-68 को प्रकाशित किए गए थे तथा भारतीय वन सेवा (वेतन) विनियमावली, 1968 को नीचे दी गई अधिसूचनाओं द्वारा  
गणोचित किया गया था।

क्रम सं	अधिसूचना संख्या	अधिसूचना की तारीख	सा के नि सं	प्रकाशन की तारीख
1	2	3	4	5
1	8/2/68-प्र. भा से (4)	28-9-68	1831	12-10-68
2	8/2/68-(ii)-प्र भा से (4)	28-9-68	1830	12-10-68
3	2/3/64-प्र भा से (1)	9-1-69	124	18-1-69
4	8/3/68-प्र भा से (1)	6-3-69	770	15-3-69
5	2/4/64-प्र भा से (4)	23-5-69	1269	11-5-69
6	8/18/69-प्र.भा से (4).	1-9-69	2176	13-9-69
7	8/11/69-प्र भा से (4)	2-1-70	603	1-4-70
8	8/27/69-प्र भा से (4)	27-1-70	758	9-5-70
9	8/1/71-प्र भा से (4)	2-1-71	1385	24-1-71
10	8/16/71-प्र भा से (4)	26-4-71	662	8-5-71
11	13/1/71-प्र भा से (4)-बी	20-1-72	2281	11-1-72
12	6/4/71-प्र भा से (1)-बी	20-1-72	4681	20-1-72
13	8/39/70-प्र भा से (4)	3-4-72	493	29-4-72
14	8/9/72-प्र भा से (4)	2-9-72	4015	2-9-72
15	8/41/71-प्र भा से (4)	3-10-72	1313	14-10-72



1	2	3	4	5
6.	8/12/73-प्र.भा.से. (4)	16-10-73	1157	27-10-73
17.	20/14/(3)/74-प्र.भा.से. (4)	22-3-74	344	6-4-74
8.	16/17/(2)/74-प्र.भा.से. (4)-बी	15-11-74	472ई	16-11-74
9.	1/8/74-प्र.भा.से. (2)-सी	12-6-75	781	28-6-75
20.	16016/16/75-प्र.भा.से. (4)-बी	16-6-75	408ई	16-6-75
21.	16015/8/74-प्र.भा.से. (4)-बी	31-7-75	2228	16-8-75
22.	16016/29/75-प्र.भा.से. (4)-बी	3-8-75	751ई	3-8-76
23.	16016/7/75-प्र.भा.से. (4)-बी	7-8-75	2268	23-8-75
24.	11030/2/75-प्र.भा.से. (4)-सी	6-10-75	2559	25-10-75
25.	16016/29/75-प्र.भा.से. (4)-बी	18-6-75	832ई	2-7-70
26.	16016/29/75-प्र.भा.से. (4)-बी	6-7-76	445ई	6-7-76
27.	16017/1/77-प्र.भा.से. (4)	12-9-77	1285	1-10-77
28.	16016/76-प्र.भा.से. (4)-बी	5-10-77	632ई	5-10-77
29.	16016/29/75-प्र.भा.से. (4)-बी	6-1-78	14ई	6-1-78
30.	20014/48/76-प्र.भा.से. (4)	15-5-78	696	3-6-78
31.	16016/8/78-प्र.भा.से. (4)-बी	13-7-78	361ई	13-7-78
32.	16017/4/78-प्र.भा.से. (4)	13-7-78	362ई	13-7-78
33.	16017/2/77-प्र.भा.से. (4)	18-7-78	933	29-7-78
34.	16016/29/75-प्र.भा.से. (4)-बी	29-8-78	437ई	29-8-78
35.	20014/42/77-प्र.भा.से. (4)	29-5-79	773	9-6-79
36.	16016/13/79-प्र.भा.से. (4)-बी	25-8-80	487ई	25-8-80
37.	16016/25/79-प्र.भा.से. (4)-बी	30-9-80	563ई	30-9-80
38.	16016/9/80-प्र.भा.से. (4)-बी	1-10-80	566ई	1-10-80
39.	16017/1/79-प्र.भा.से. (4)	8-10-80	1075	18-10-80
40.	16017/5/79-प्र.भा.से. (4)	16-10-80	1135	1-11-80
41.	16016/1/80-प्र.भा.से. (4)-बी	13-11-80	627ई	3-11-80
42.	16016/8/80-प्र.भा.से. (4)-बी	4-11-80	632ई	4-11-80
43.	16016/12/80-प्र.भा.से. (4)-बी	16-1-81	22ई	17-1-81
44.	16016/16/80-प्र.भा.से. (4)-बी	23-1-81	32ई	23-1-81
45.	16016/20/80-प्र.भा.से. (4)-बी	23-5-81	301ई	23-5-81
46.	16016/21/80-प्र.भा.से. (4)-बी	2-6-81	377ई	2-6-81
47.	16016/18/80-प्र.भा.से. (4)-बी	9-6-81	387ई	9-6-81
48.	16016/22/80-प्र.भा.से. (4)-बी	16-11-81	603ई	16-11-81
49.	16016/3/81-प्र.भा.से. (4)-बी	17-11-81	605ई	17-11-81
50.	16016/14/80-प्र.भा.से. (4)-बी	10-12-81	654ई	14-12-81
51.	16016/2/81-प्र.भा.से. (4)-बी	1-4-82	295ई	1-4-82
52.	16016/13/81-प्र.भा.से. (4)-बी	26-4-82	355ई	26-4-82
53.	16016/17/80-प्र.भा.से. (4)-बी	27-4-82	357ई	27-4-82
54.	16016/1/80-प्र.भा.से. (4)-बी	31-5-82	439ई	31-5-82
55.	16016/16/79-प्र.भा.से. (4)-बी	20-8-82	531ई	20-8-82
56.	16016/9/81-प्र.भा.से. (1)-बी	12-1-83	25ई	12-1-83

1	2	3	4
57. 16017/1/82-प्र.भा.से. (4)	9-6-83	479ई	9-6-83
58. 16017/1/82-प्र.भा.से. (4)	8-11-83	835ई	8-11-83
59. 16017/1/82-प्र.भा.से. (4)	3-1-84	32	21-1-84
60. 16017/9/78-प्र.भा.से. (4)	21-1-84	119	11-2-84
61. 16017/1/82-प्र.भा.से. (4)	19-2-85	94ई	19-2-85
62. 16016/2/84-प्र.भा.से. (4)-बी	28-2-85	127ई	28-2-85
63. 16016/3/85-प्र.भा.से. (4)-बी	26-3-85	309ई	26-3-85
64. 16016/3/85-प्र.भा.से. (4)-बी	29-3-85	328ई	29-3-85
65. 16016/4/85-प्र.भा.से. (4)-बी	1-2-85	490ई	12-6-85
66. 16017/1/86-प्र.भा.से. (II)	13-2-86	204ई	14-2-86
67. 16016/1/86-प्र.भा.से. (II)-बी	25-3-86	267	12-4-86
68. 16016/2/86-प्र.भा.से. (II)-बी	6-8-86	665	30-8-86
69. 16516/8/86-प्र.भा.से. (II)-बी	5-9-86	764	20-9-86
70. 16016/7/86-प्र.भा.से. (II)-बी	8-9-86	779	27-9-86
71. 16016/6/86-प्र.भा.से. (II)-बी	8-9-86	797	27-9-86
72. 16016/3/86-प्र.भा.से. (II)-बी	18-9-86	836	4-10-86
73. 16016/4/86-प्र.भा.से. (II)-बी	18-9-86	830	4-10-86
74. 16016/5/86-प्र.भा.से. (II)-बी	1-10-86	881	18-10-86
75. 16016/9/86-प्र.भा.से. (II)-बी	24-2-87		

[म. 11030/17/87 - ए. आई. एस. (II)]

के. बी. एल. मन्मथना, डेस्क अधिकारी

G.S.R. 286 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the All India Services Act, 1951 (61 of 1951), the Central Government, after consultation with the Governments of the States concerned, hereby makes the following rules further to amend the Indian Forest Service (Pay) Rules, 1968, namely :—

1. (1) These rules may be called the Indian Forest Service (Pay) Second Amendment Rules, 1987.

(2) They shall be deemed to have come into force on the 1st day of January, 1986.

2. In the Indian Forest Service (Pay) Rules, 1968 (hereinafter referred to as the said rules) :—

(a) for sub-rule (1) in rule 3 the following sub-rule shall be substituted, namely :—

“(1) The scales of pay admissible to a member of the Service and the dates with effect from which the pay scales shall be deemed to have come into force, shall be as follows :

Junior scale : Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000 with effect from the 1st day of January, 1986.

Senior scale—

(i) Timescale : Rs. 3000 (5th and 6th year)-100-3500-125-4500 with effect from 1st January, 1986.

(ii) Junior Administrative Grade Rs. 3700-125-4700-150-5000 (Non-functional) with effect from 1st January, 1986.

Provided that a member of the service shall be appointed to the senior scale on his completing four years of service, subject to the provisions of sub-rule (2) of Rule 6A of the Indian Forest Service (Recruitment) Rules, 1966, and to the Junior Administrative Grade on completing nine years of service.

NOTE : The four years and nine years of service in this rule shall be calculated from the year of allotment assigned to him under Regulation 3 of the Indian Forest Service (Regulation of Seniority) Rules, 1968.

(iii) Selection grade : Rs. 4100-125-4850-150-5300.

Supertime scale : Conservator of Forests

Level II and Level I : Rs. 4500-150-5700, Additional Chief Conservator of Forests | Chief Conservator of Forests : Rs. 5900-200-6700.

Above Supertime scale : Principal Chief Conservator of Forests Rs. 7300-100-7600 (in small States, Rs. 7600 (in bigger States)

Provided that a member of the service may elect to continue to draw pay in the existing scale until the date on which he earns his next or any subsequent increment in the existing scale or until he vacates his post or ceases to draw pay in that scale. The option shall be exercised in accordance with such orders as may be issued by the Central Government in this behalf.

Explanation 1 : The option to retain the existing scale under the proviso to this rule shall be admissible only in respect of one existing scale.

Explanation 2 : The aforesaid option shall not be admissible to any person appointed to the service on or after the 1st day of January, 1986 and he shall be allowed pay only in the revised scale.

Explanation 3 : Where a member of the Service exercises an option under the proviso to this rule to retain the existing scale in respect of a post held by him in an officiating capacity on a regular basis for the purpose of regulation of pay in that scale, his substantive pay shall be the substantive pay which he would have drawn had he retained the existing scale in the permanent post on which he holds a lien or would have held a lien had his not been suspended or the pay of the officiating post which has acquired the character of substantive pay in accordance with any order for the time being in force whichever is higher;

(b) For sub-rule 2 of rule 3, the following sub-rule shall be substituted, namely :—

“2. (i) A member of the Service shall be entitled to draw pay in the selection grade only on appointment to that grade.

(ii) The pay of a member of the service in the Junior Administrative grade shall, on appointment to the Selection Grade be fixed :

(a) at the stage which is equal to his pay in the Junior Administrative Grade or if there is no such stage, the stage next below that pay plus personal pay equal to the difference to be absorbed in future increases in pay; or

(b) the minimum of the Selection Grade, whichever is higher.

(iii) The new increment in the Selection Grade would accrue after rendering the requisite qualifying service in that grade.

Provided that all leave except extraordinary leave taken otherwise than on medical certificate, shall count for increment in the Selection grade.

Provided further that the Central Government may, in any case, in which it is satisfied that the extraordinary leave was taken for any cause beyond the control of the member of the service or for prosecuting higher Scientific or Technical studies, direct that such extraordinary leave shall be counted for increments under this sub-rule.”;

(c) for rule 4B, the following rule shall be substituted, namely :—

“4B. Fixation of pay of an officer :

The initial pay of a member of the service who elects or deemed to have elected, in accordance with these rules, to be governed by the revised scale on and from the first day of January, 1986 or from a later date, shall be fixed from that date separately in respect of the pay drawn in a substantive or officiating capacity in the following manner :—

- (i) an amount representing 20 per cent of the basic pay in the existing scale subject to a minimum of Rs. 75 shall be added to the “existing emoluments” of the member of the service.
- (ii) after the existing emoluments have been so increased, the pay shall thereafter be fixed in the revised scale at the stage next above the amount thus computed.

Provided that if the amount as computed is less than the minimum of the revised scale, the pay shall be fixed at the minimum of that scale :

Provided further that if the amount so computed is more than the maximum of the revised scale, the pay shall be fixed at the maximum of that scale.

Explanation : For the purpose of this sub-rule, “existing emoluments shall include —

- (a) the basic pay in the existing scale;
  - (b) the dearness pay, additional dearness allowance and ad-hoc dearness allowance appropriate to the basic pay admissible at index average 608 (1960=100); and
  - (c) the amounts of first and second instalments of interim relief admissible on the basic pay in the existing scale.
- (iii) In the case of members of service who are in receipt of special pay in addition to pay in the existing scales and in whose case special pay continues with the revised scale of pay either at the same rate or at a different rate, the pay in the revised scale shall be fixed in accordance with the provisions of this sub-rule with reference to the existing emoluments calculated in accordance with the Explanation thereto, after excluding the existing special pay and the amounts admissible thereon with reference to dearness pay, additional dearness allowance and ad-hoc dearness allowance, and in such cases special pay at the new rate shall be drawn in addition to the pay so fixed in the revised scale;

NOTE 1 : Where a member of the service is holding a permanent post and is officiating in a higher post on a regular basis and the scales applicable to these two posts are merged into one scale, the pay shall be fixed under this sub-rule with reference to the officiating post only, and the pay so fixed shall be treated as substantive pay.

NOTE 2 : Where the existing emoluments as calculated in accordance with this sub-rule exceed the revised emoluments in the case of any member of the service, the difference shall be allowed as personal pay to be absorbed in future increases in pay.

NOTE :3 Where in a fixation of pay under this subrule the pay of the members of the service drawing pay at more than five consecutive stages in an existing scale gets bunched, that is to say, gets fixed in the revised scale at the same stage, the pay in the revised scale of such of the members of the service who are drawing pay beyond the first five consecutive stages in the existing scale shall be stepped up to the stage where such bunching occurs, as under by the grant of increment(s) in the revised scale in the following manner, namely :—

- (a) for members of service drawing pay from the 6th upto the 10th stage in the existing scale by one increment;
- (b) for members of the service drawing pay from the 11th upto 15th stage in the existing scale, if there is bunching beyond the 10th stage—by two increments.

If by stepping up of the pay as above, the pay of a member of the service gets fixed at a stage in the revised scale which is higher than the stage in the revised scale at which the pay of the member of the service who was drawing pay at the next higher stage or stages in the same existing scale is fixed, the pay of the latter shall be stepped up only to the extent by which it falls short of that of the former.

NOTE 4 : Where in the fixation of pay under this sub-rule the pay of a member of service who, in the existing scale was drawing immediately before the 1st January, 1986 more pay than another member of the service junior to him in the same cadre, gets fixed in the revised scale at a stage lower than that of such junior, his pay shall be stepped upto the same stage in the revised scale as that of the junior.

NOTE 5 : Where a member of the service is in receipt of personal pay on the 1st day of January, 1986 which together with his existing emoluments as calculated in accordance with this sub-rule exceeds the revised emoluments, then the difference representing such excess shall be allowed to such member of the service as personal pay to be absorbed in future increases in pay.

NOTE 6 : In cases, where a senior member of the service promoted to a higher post before the 1st day of January, 1986, draws less pay in the revised scale than his junior who is promoted to the higher post on or after the 1st day of January, 1986, the pay the senior member of the service should be stepped up to an amount equal to the pay as fixed for his junior in that higher post.

The stepping up should be done with effect from the date of promotion of the junior member of the service subject to the fulfilment of the following conditions namely :—

- (a) both the junior and the senior member of the service should belong to the same cadre and the posts in which they have been promoted should be identical in the same cadre;
- (b) the pre-revised and revised scales of pay of the lower and higher posts in which they are entitled to draw pay should be identical and;
- (c) the anomaly should be directly as a result of the application of the provisions of this sub-rule. If even in the lower post, the junior officer was drawing more post in the pre-revised scale than the senior by virtue of any advance increments granted to him, provisions of this Note need not be invoked to step up the pay of the senior.

3. In rule 4 of the said Rules,

- (i) for sub-rule (3), the following shall be substituted namely :—

“the pay of a member of the service in the junior scale shall, on appointment to a post on the senior time scale be fixed at the stage next above the pay notionally arrived at by increasing his pay in the lower scale by one increment at the stage at which such pay accrued (or by an amount equal to the last increment in the lower scale if he was drawing pay at the maximum of the lower scale) or the minimum of the senior time scale whichever is higher.”

- (ii) the following sub-rule shall be inserted, namely :—

“(3(A) The pay of the member of the service in the senior time scale shall, on appointment to junior Administrative Grade, be fixed (a) at the stage which is equal to his pay in the senior time scale or if there is no such stage, the stage next below that pay plus personal pay equal to the difference to be absorbed in future increases in pay or (b) the minimum of the Junior Administrative Grade, whichever is higher.”

“(3(B) The pay of a member of the Service in the Selection Grade shall, on appointment to the Supertime scale be fixed in the same manner as in sub-rule (3) above.”



4. In Rule 5 of the said rules,

(i) for sub-rule (2), the following sub-rule shall be substituted, namely :

“(2) In the case of a member of the Service recruited under Rule 7 of the Indian Administrative Service (Recruitment) Rules, 1954, increment in the junior scale and senior time scale and Junior Administrative Grade shall accrue on completion of one Year's service in the junior scale, senior time scale or the Junior Administrative Grade, as the case may be, subject to the provisions of sub-rule (5)”

(ii) for sub-rule (5), the following sub-rule shall be substituted, namely :

(5) The next increment of a member of the Service whose pay has been fixed under rule 4B shall accrue to him on the date on which it would have accrued to him in the scale of pay applicable to him immediately before the 1st day of January, 1986 :

Provided that in cases where the pay of a member of the Service is stepped up under rule 4B the next increment shall be granted on the completion of qualifying service of twelve months from the date of the stepping up of the pay in the revised scale :

Provided further that in cases other than those covered by the preceding proviso the next increment of a member of the service whose pay is fixed on the 1st day of January, 1986, at the same stage as the one fixed for another member of the service junior to him in the same cadre and drawing pay at a lower stage than his in the existing scale, shall be granted on the same date as admissible to his junior, if the date of increment of the junior happens to be earlier :

Provided also that in the case of persons who had been drawing maximum of the existing scale for more than a year as on the 1st January, 1986, next increment in the revised scale shall be allowed on the 1st day of January, 1986.

NOTE 1. Wherever the pay has been fixed in terms of the above provisos the efficiency bar will become operative only with reference to such bars in the revised scale, irrespective of whether a member of the service had crossed or not crossed or had been held up at the efficiency bar in the existing scale.

NOTE 2. Where by the grant of additional increment in terms of the third proviso in the revised scale applicable to the substantive post, the substantive pay of a member of the service may be allowed, in addition to officiating pay, the difference between the officiating pay and substantive pay as personal pay to be absorbed in future increments for the periods during which the substantive pay exceeds officiating pay.

5. After rule 5 of the said rules, the following rule shall be inserted, namely :

“5. A Stagnation increments. A member of service drawing pay in the junior senior scale/junior administrative grade selection grade/supertime scale shall be eligible for one increment for every two of service rendered after reaching the maximum of that scale, subject to a maximum three increments.

NOTE : The stagnation increments shall be in nature of personal pay and shall not be taken into account for the purpose of fixation of pay on promotion to higher grade or for applying a ceiling on pay plus special pay under the rules.

6. In the said rules, Schedule I shall be deleted.

7. In Schedule II to the said rules, for the words and figures “first day of January, 1973” appearing in clauses (i), (ii), (iii) and (iv), the words and figures “first day of January, 1986” shall be substituted :

8. In Schedule III to the said rules, (i) under heading “A-posts carrying the pay above the scale in the Indian Forest Service under the Government”, in column number 3, for the figures 2500-125|2-2750; 2250-125|2-2500; 2000-125|2-1800 and 1800-100-2000 ; the figures 5900-200-6700; 5200-200-6700, 4500-150-5700 and 4500-150-5700 respectively shall be substituted:

(ii) under the heading “B-Posts carrying pay in the senior time scale of the Indian Forest Service under the State Governments, including posts carrying special pay in addition to pay in the time-scale”, for clause (3), the following clause shall be substituted, namely :—

“(3) The amount of any special pay which may be sanctioned by the State Governments under clauses (2) shall be Rs. 200 or Rs. 300 or Rs. 400, as may, from time to time, be determined by the Government concerned :

Provided that pay plus special pay shall not exceed the maximum of the scale to which special pay is attached” ;

(iii) under the heading under “C-Posts carrying pay in the time scale under the Central Government when held by the members of the Service” —



(i) for the figures 3500 ; 3000 ; 2500-2750 , 3000-100-300 ; 2000-2250 , 1800-2000 , 2000-2250 and 2500-125/2-300 ; the figures 8000 ; 7300-7600 ; 5900-200-6700 ; 8000 ; 4500-150-5700 ; 4500-150-5700 and 5900-200-7300 ; respectively shall be substituted

(ii) for the entries

"Deputy Secretary to Government of India (i) Selection Grade Rs 300/-" -  
"Deputy Secretary to Government of India (ii) Senior Scale Rs 300/-" -  
following entries shall be substituted, namely

Deputy Secretary to the Government of India Selection grade or Rs 500/-  
Junior Administrative grade

for the entries

Under Secretaries Senior time scale Rs 200 (subject to the condition that the Government or Junior scale the condition that pay plus special pay does not exceed Rs 1700/-)

the following entries shall be substituted, namely:-

Under Secretaries Senior time scale Rs 400/-  
the Government or Junior Administrative Grade  
India

(iv) under column (4),  
for figures 300/-, 200/- and 150/-, the figures 500/-, 400/- and 300/- respectively shall be substituted ;

(v) under column (5)  
for the dates "1-5-74" and "1-1-73", the date "1-1-1986" shall be substituted ;

(vi) the following note shall be added at the end, namely :—

Note : The pay plus special pay shall not exceed the maximum of the scale of pay of the respective post".

### EXPLANATORY MEMORANDUM

The Central Government has decided to implement the decisions taken on the recommendations made by the Fourth Central Pay Commission relating to revision of scales of pay in respect of the All India Services and the Central Civil Services Group 'A' with effect from the 1st January, 1986.

The Indian Forest Service (Pay) Rules, 1968, are being amended accordingly with effect from the 1st January, 1986.

It is certified that no member of the Indian Forest Service is likely to be adversely affected by this notification being given retrospective effect.

### NOTE

The principal rules were notified vide notification No. 2/11/65-AIS(IV) dated 2-3-1968 as GSR No. 482 dated 16-3-68 and the Indian Forest Service (Pay) Rules, 1968, has been amended vide Notifications given below :

Notification No	Date of Notification	GSR No	Date of Publications
2	3	4	5
8/2/68-AIS(IV)	28-09-68	1831	12-10-68
8/2/68-(ii)-IAS (IV)	28-09-68	1830	12-10-68
2/3/64-AIS (IV)	09-01-69	124	18-01-69
8/3/68-AIS (IV)	06-03-69	770	15-03-69
2/3/64-AIS(IV)	23-05-69	1269	31-05-69
8/18/69-AIS(IV)	01-09-69	2176	13-09-69
8/11/68-AIS(IV)	02-04-70	603	11-04-70
8/27/69-AIS(IV)	27-04-70	758	09-05-70
8/1/71-AIS(IV)	23-01-71	138E	24-01-71
8/16/71-AIS(IV)	26-04-71	662	08-05-71
13/1/71-AIS(IV)-B	20-01-72	22E	11-01-72
6/4/71-AIS(IV)-B	20-01-72	46E	20-01-72
8/39/70-AIS(IV)	03-04-82	493	29-04-72
8/9/72-AIS(IV)	02-09-72	401E	02-09-72
4/4/71-AIS(IV)	03-10-72	1313	14-10-72
8/12/73-AIS(IV)	16-10-73	1157	27-10-73
20/14(3)/74-AIS(IV)	22-03-74	344	06-04-74
16/17(2)/74-AIS-IVE	15-11-74	472F	15-11-74
1/8/74-AIS-II C	12-06-75	781	28-06-75
16016/16/75-AIS-IVB	16-06-75	408E	16-06-75

1	2	3	4	5
21.	16015/8/74-AIS-IV-B	31-07-75	2228	16-08-75
22.	16016/29/75-AIS-IV-B	03-08-75	251E	03-08-76
23.	16016/7/75-AIS-IV-B	07-08-75	2268	23-08-75
24.	11030/2/75-AIS-IV-C	06-10-75	2559	25-10-85
25.	16016/29/75-AIS-IV-B	18-06-75	832F	27-07-70
26.	16016/29/75-AIS-IV-B	06-07-75	443E	06-07-76
27.	16017/1/77-AIS-IV	12-09-77	1285	01-10-77
28.	16016/76-AIS-IV-B	05-10-77	632E	05-10-77
29.	16016/29/75-AIS-IV-B	06-01-76	141	06-01-76
30.	20014/48/76-AIS-IV	15-05-78	696	03-06-78
31.	16016/8/78-AIS-IV-B	13-07-78	361E	13-07-78
32.	16017/4/78-AIS-IV	13-07-78	362E	13-07-78
33.	16017/2/77-AIS-IV	18-07-78	935	29-07-78
34.	16016/28/75-AIS-IV-B	28-08-78	437E	29-08-78
35.	20014/42/77-AIS-IV	29-05-79	773	09-06-79
36.	16016/13/79-AIS-IV-B	25-08-80	487E	25-08-80
37.	16016/25/79-AIS-IV-B	30-09-80	563E	30-09-80
38.	16016/9/80-AIS-IV-B	01-10-80	566E	01-10-80
39.	16017/1/79-AIS-IV	08-10-80	1075	18-10-80
40.	16017/5/79-AIS-IV	10-10-80	1135	01-11-80
41.	16016/1/80-AIS-IV-B	13-11-80	827E	03-11-80
42.	16016/8/80-AIS-IV-B	04-11-80	632E	04-11-80
43.	16016/12/80-AIS-IV-B	16-01-81	22E	17-01-81
44.	16016/16/80-AIS-IV-B	23-01-81	32E	23-01-81
45.	16016/20/80-AIS-IV-B	23-05-81	361E	23-05-81
46.	16016/21/80-AIS-IV-B	02-06-81	377E	02-06-81
47.	16016/18/80-AIS-IV-B	09-06-81	387E	09-06-81
48.	16016/22/80-AIS-IV-B	16-11-81	603E	16-11-81
49.	16016/3/81-AIS-IV-B	17-11-81	605E	17-11-81
50.	16016/14/80-AIS-IV-B	10-12-81	654E	14-12-81
51.	16016/2/81-AIS-IV-B	01-04-82	295E	01-04-82
52.	16016/13/81-AIS-IV-B	26-04-82	335E	26-04-82
53.	16016/17/80-AIS-IV-B	27-04-82	357E	27-04-82
54.	16016/1/80-AIS-IV-B	31-05-82	439E	31-05-82
55.	16016/16/79-AIS-IV-B	20-08-82	531E	20-08-82
56.	16016/9/81-AIS-IV-B	12-01-83	25E	12-01-83
57.	16017/1/82-AIS-IV	09-06-83	479E	09-06-83
58.	16017/1/82-AIS-IV	08-11-83	835E	08-11-83
59.	16017/1/82-AIS-IV	03-01-84	32	21-01-84
60.	16017/9/82-AIS-IV	21-01-84	119	11-02-84
61.	16017/1/82-AIS-IV	19-02-85	94E	19-02-85
62.	16016/2/84-AIS-IV-B	28-02-85	127E	28-02-85
63.	16016/3/84-AIS-IV-B	26-03-85	309E	26-03-85
64.	16016/3/85-AIS-IV-B	29-03-85	328E	29-03-85
65.	16016/4/85-AIS-IV-B	12-06-85	490E	12-06-85
66.	16017/1/86-AIS-II	13-02-86	204F	14-02-86
67.	16016/1/86-AIS-II-B	25-03-86	267	12-04-86
68.	16016/2/86-AIS-II-B	06-08-86	665	30-08-86
69.	16016/8/86-AIS-II-B	05-09-86	764	20-09-86
70.	16016/7/86-AIS-II-B	08-09-86	779	27-09-86
71.	16016/6/86-AIS-II-B	08-09-86	797	27-09-86
72.	16016/3/86-AIS-II-B	10-09-86	830	04-10-86
73.	16016/4/86-AIS-II-B	10-09-86	838	04-10-86
74.	16016/5/86-AIS-II-B	01-10-86	881	18-10-86
75.	16016/9/86-AIS-II-B	24-02-87		

[No. 11030/19/87-AIS-II]

K.B.L. SAXENA, Desk Officer